मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज

भोपाल
गुरुवार 17 अप्रैल 2025
■ वर्ष: 30 ■ अंक: 110
■ पेज: 8 ■ मूल्य: 1.50/- रुपए

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

नई दिल्ली, ईएमएस। बैंकिंग शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड के ताजा प्रवाह के कारण बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल के निचले स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है, इसका बाजार के मूड पर सकारात्मक असर पड़ा। वैश्विक बाजार में कमजोर रुख को दरकिनार करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 309.40 अंक या 0.40 प्रतिशत चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ।

चुपके-चुपके

क्या काम चल रहा है साहब को पता ही नहीं

मप्र में शासन-प्रशासन का पूरा फोकस सिंहस्थ पर है। प्रदेश में सभी प्रमुख विभाग सिंहस्थ की तैयारी में जुटे हुए हैं। जिस विभाग के पास जो काम है, वे उसे पूरी तत्परता से पूरा करने में जुटे हुए हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जो अफसर सिंहस्थ की समिति के अध्यक्ष हैं उन्हें पता ही नहीं क्या काम चल रहा है। खबरची का कहना है कि गतदिनों प्रशासनिक मुखिया जब सिंहस्थ की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे तो बैठक में सिंहस्थ की समिति के अध्यक्ष भी शामिल हुए। बैठक में मुख्य सचिव ने एक-एक विभाग से उनकी कार्ययोजना और प्रोग्रेस रिपोर्ट की जानकारी ली। इसी दौरान उन्होंने अध्यक्ष से पूछा कि क्या सिंहस्थ की तैयारियां ठीक ढंग से चल रही हैं, तो उस पर वे दूसरे अफसरों का मुंह ताकने लगे। इस पर उन्हें जमकर फटकार मिली।

-खबरची

फटाफट खबरें

बस्ती में आग 5 लोगों की मौत

मुजफ्फरपुर, ईएमएस। बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों की झुलसकर मौत हो गई है। वहीं, 15 बच्चे लापता है। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राज पासवान के बच्चे ब्यूटी कुमारी (08), सृष्टि कुमारी (06), विपुल कुमार (10) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि गोलक पासवान के घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और देखते ही देखते पूरे झुग्गी के इलाके में फैल गई।

सोना पहली बार 94 हजार के पार

नई दिल्ली, ईएमएस। सोने के दाम ने बुधवार को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,387 रूपए बढ़कर 94,489 रूपए पर पहुंच गया। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 93,102 रूपए थी। एक किलो चांदी की कीमत 373 रूपए बढ़कर 95,403 रूपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,030 रूपए प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रूपए और 11 अप्रैल को सोने ने 93,353 रूपए का हाई बनाया था।

21.78 करोड़ की कोकीन बरामद

मुंबई, ईएमएस। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रग्स की बड़ी खेप बरामद की गई है। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने 21.78 करोड़ रुपए की कोकीन की तस्करी करने की कोशिश करने के आरोप में गिनी की एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला केन्या की राजधानी नैरोबी से मुंबई एयरपोर्ट पर उतरी थी। डीआरआई एक अधिकारी ने बताया कि हमें खुफिया सूचना मिली थी, जिसके आधार पर हमारी मुंबई क्षेत्रीय इकाई की एक टीम ने विदेशी महिला यात्री को एयरपोर्ट पर रोका।

आज का कार्टून

वक्फ कानून पर हिंसा से सुप्रीम कोर्ट परेशान, नए कानून पर रोक से इनकार किया, वक्फ बाय यूजर पर मांगी सफाई, केंद्र सरकार से पूछा

कागजात नहीं तो पुरानी मस्जिदों का क्या होगा?

क्या हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुस्लिमों को जगह देंगे...

नई दिल्ली, ईएमएस। केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 100 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर स्त ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ कानून के तहत बोर्ड में अब हिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह अधिकारों का हनन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से वक्फ बाय यूजर संपत्तियों के प्रावधानों को लेकर सवाल किए। अदालत ने कहा कि वक्फ बाय यूजर की संपत्तियों को डिनोटिफाई करना, जो कानून के तहत स्थापित हो चुकी हैं, समस्याएं पैदा करेगा। कोर्ट ने केंद्र से इस पर भी जवाब मांगा कि अगर किसी पुरानी मस्जिद के पास कागजात नहीं होंगे तो उनका रजिस्ट्रेशन कैसे होगा।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने केंद्र से वक्फ बाय यूजर प्रावधान को हटाने पर स्पष्टिकरण मांगा। अदालत ने कहा कि 14वीं से 16वीं शताब्दी के बीच बनी अधिकतर मस्जिदों के पास बिक्री विलेख नहीं होंगे। इनका रजिस्ट्रेशन कैसे होगा? वक्फ बाय यूजर उस संपत्ति को कहा जाता है जिसे लंबे समय तक धार्मिक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाए जाने के कारण वक्फ माना जाता है, भले ही उसके पास कोई औपचारिक दस्तावेज न हो। हालांकि, नए कानून में एक छूट दी गई है कि यह उन संपत्तियों पर लागू नहीं होगा जो विवादित हैं या सरकारी भूमि पर हैं।

संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन कैसे होगा

अदालत ने कहा कि आपने अभी तक सवाल का जवाब नहीं दिया। वक्फ बाय यूजर घोषित होगा या नहीं? यह तो पहले से स्थापित चीज को उलटना होगा। वक्फ बाय यूजर संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन कैसे होगा? आप यह नहीं कह सकते कि ऐसा कोई मामला ही नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी मस्जिदों से रजिस्टर्ड डीड की मांग करना असंभव है क्योंकि वे वक्फ बाय यूजर संपत्तियां होती हैं। अदालत ने वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के प्रावधान पर भी सवाल उठाया और केंद्र से पूछा कि क्या वह हिंदू ट्रस्टों में मुसलमानों को शामिल करने की अनुमति देगा? पीठ ने यह भी कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम की वह शर्त, जिसके अनुसार किसी संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा जब तक कलेक्टर यह जांच कर रहा हो कि वह सरकारी भूमि है या नहीं, इसे प्रभावी नहीं माना जाएगा। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट अब गुरुवार 2 बजे सुनवाई करेगा। अब तक की सुनवाई में अपीलकर्ताओं ने वक्फ बोर्ड बनाने, पुरानी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन, बोर्ड मेंबर्स में गैर-मुस्लिम और विवादों के निपटारों को लेकर मुख्य दलीलें दीं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वहां एक दुकान है, एक वक्फ का मंदिर है। कानून यह नहीं कहता कि उसका उपयोग बंद हो जाएगा। यह कहता है कि जब तक निर्णय नहीं होता, उसे लाभ नहीं मिलेगा।

ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ बढ़ाकर किया 245 प्रतिशत

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर और आगे बढ़ गया है। अमेरिका ने अब चीन पर 100 प्रतिशत और टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ अमेरिका इंपोर्ट होने वाले चीनी सामान पर कुल टैरिफ 245 प्रतिशत हो गया है। चीन ने 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाया है। इससे पहले चीन ने कहा था कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा।

अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से नहीं डरते

अमेरिका की तरफ से नए टैरिफ के ऐलान के बाद चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अगर अमेरिका सच में बातचीत को डायलॉग और समझौते के जरिए मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे बेमतलब का दबाव बनाना, डराना और ब्लैकमेल करना बंद करना चाहिए और चीन के साथ बराबरी, सम्मान और आपसी हित के आधार पर बात करनी चाहिए। लिन जियान ने पत्रकारों से कहा कि 245 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के तहत अलग-अलग टैक्स रेट क्या होगा ये आप अमेरिका से ही पूछिए। ये टैरिफ वॉर अमेरिका ने शुरू किया है, हमने नहीं।

चीन पर सख्ती का अमेरिका ने बताया कारण

ट्रंप प्रशासन के दस्तावेज में यह भी उल्लेख किया गया है कि चीन ने कुछ महीने पहले अमेरिका को गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी और अन्य प्रमुख उच्च-तकनीकी सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिनके सैन्य उपयोग की संभावना थी। इसी सप्ताह चीन छह भारी दुर्लभ रेयर अर्थ मेटल के साथ-साथ रेयर अर्थ चुंबकों के निर्यात को भी निलंबित कर दिया था।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल पर चार्जशीट का विरोध...कांग्रेस का देशभर में ईडी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन...कार्यकर्ताओं की राष्ट्रपति से ईडी की कार्रवाई रोकने की मांग

सोनिया-राहुल पर वार...सड़क पर संग्राम

- पिंजरे में तोता लेकर भोपाल ईडी दफ्तर पहुंचे कांग्रेसी, पटवारी बोले-गांधी परिवार पर कार्रवाई अलोकतांत्रिक
- लखनऊ में बैरिकेडिंग तोड़ी, अमेठी में पुलिस से हाथापाई, अखिलेश बोले-ईडी को खत्म कर देना चाहिए

● **नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, ईएमएस**

प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। इसके विरोध में पार्टी ने देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया गया। वहीं मप्र, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य राज्यों में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी।

भोपाल में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ चार्ज शीट पेश किए जाने का विरोध करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पीसीसी चीफ पटवारी प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पिंजरे में प्रतीकात्मक तोता लेकर पहुंचे। इस दौरान पुलिस को ज्ञापन के साथ ही पिंजरे में रखा तोता भी भेंट किया। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। ईडी ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। इससे पहले, मंगलवार को ही सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में पूछताछ हुई। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह धमकाने का काम कर रहे हैं। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण निजी स्वामित्व वाली कंपनी यंग इंडियन के जरिए केवल 50 लाख रु. में कर लिया। इस कंपनी के 76 प्रतिशत शेयर सोनिया व राहुल के पास हैं।

देशभर में झड़प

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता देशभर में विरोध में सड़कों पर उतरे। रायपुर में ईडी दफ्तर के सामने प्रदर्शन के दौरान भूपेश बघेल ने कहा की कांग्रेस को दबाने और कांग्रेसियों को बदनाम करने की साजिश हो रही है। नेशनल हेराल्ड पैसा कमाने का जरिया नहीं था। लखनऊ में पुलिस ने पैदल मार्च रोकने के लिए कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग लगाई। कांग्रेसी उसे तोड़ते हुए आगे बढ़े। 50 मीटर ही बढ़े थे कि उन्हें हिरासत में ले लिया गया। अमेठी में कांग्रेस कार्यकर्ता की पुलिस से झड़प हुई। जमकर हाथापाई और धक्का-मुक्की हुई। दरअसल, कार्यकर्ता पुतला फूंकने की कोशिश कर रहे थे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका तो कांग्रेसी भड़क गए और पुलिस से भिड़ गए। वाराणसी में कलेक्ट्रेट कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ता घुसकर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर एडीएम सिटी आलोक सिंह मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं को हटाने की कोशिश की गई, जिस पर कांग्रेसियों की एडीएम से नोकझोंक हो गई। इधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- कांग्रेस ने ही ईडी बनाई थी। आज ईडी की वजह से उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ईडी जैसे विभाग को समाप्त कर देना चाहिए। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा- जब से राहुल गांधी गुजरात में अपनी ताकत दिखा रहे हैं, तब से भाजपा हिल गई है। कांग्रेस को ये जितना प्रताड़ित करेंगे, कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर लड़ेगा।

जबलपुर में कलेक्ट्रेट घेरा

जबलपुर में विधायक लखन घनघोरिया और नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टरेट का घेराव किया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में धारा 144 लागू होने के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गेट कूदकर परिसर तक पहुंच गए, जहां मुश्किल से पुलिस ने उन पर काबू पाया और गिरफ्तारी की। आज के विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस में एक बार फिर गुटबाजी नजर आई। नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे, वहीं कुछ लोग दूसरे गेट से कलेक्ट्रेट के अंदर घुसकर विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे।

पाप पर पर्दा डालने की कोशिश: खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नेशनल हेराल्ड मामले का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली निरंकुश सरकार अपने पाप पर पर्दा डालने के लिए उनकी पार्टी को निशाना बनाने पर तुली हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है और वह सरकार की नाकामियों को उजागर करती रहेगी। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपकी निरंकुश सरकार अपने पाप पर पर्दा डालने के लिए कांग्रेस को निशाना बनाने पर तुली हुई है। भाजपा का आर्थिक कुप्रबंधन नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है। हताशा बढ़ती जा रही है, कोई दृष्टि नहीं, कोई समाधान नहीं, केवल ध्यान भटकाना।

यह मोदी की बदले की राजनीति: सुप्रिया श्रीनेत

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हमारे लोग आक्रोशित हैं, जनता आक्रोशित है, कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हैं। 12 साल पुराने झूठे मामले में आपको चार्जशीट दाखिल करने की याद आखिरी दिन आई। आपने चार्जशीट में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए, जबकि एक पैसे का लेन-देन नहीं हुआ, एक भी संपत्ति हस्तांतरित नहीं की गई, जबकि यंग इंडिया एक गैर-लाभकारी संगठन है...सच्चाई यह है कि यह नरेंद्र मोदी की बदले की राजनीति है...हम इसका सामना अदालत में करेंगे। लेकिन आप लोगों का गुस्सा, हमारे कार्यकर्ताओं का गुस्सा देख सकते हैं।

बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा...

भाजपा-आरएसएस को हराने का रास्ता गुजरात से होकर ही जाता है

अहमदाबाद, ईएमएस। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात दौरे के दूसरे दिन बुधवार को मोडासा जिले के अरावल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की।

इसके बाद बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर हॉल में जिले के 1200 बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि वर्तमान लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं है, बल्कि भाजपा-आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है। पूरा देश जानता है कि अगर कोई भाजपा को हरा सकता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है। अगर हमें देश में आरएसएस और भाजपा को हराना है तो इसका रास्ता गुजरात से होकर ही जाता है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की शुरुआत गुजरात में ही हुई थी। आपने हमें हमारे महानतम नेता महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए। लेकिन हम गुजरात में लंबे समय से हतोत्साहित थे। लेकिन मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि कुछ भी मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी में बदलाव लाने का फैसला किया है। अब जिला स्तर के नेताओं को भी मजबूत किया जाएगा।

प्यार से भाजपा के लोगों को बाहर करना है

राहुल गांधी ने कहा कि हमें अब नई पीढ़ी को कांग्रेस में लाना है। लेकिन, यह भी ध्यान रखना है कि इस भीड़ में भाजपा से जुड़े लोग भी शामिल होंगे और हमें उन्हें प्यार से बाहर निकालना है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ता सबसे मजबूत लोग हैं। आपको जहां भी मेरी जरूरत होगी। मैं गुजरात के कोने-कोने में आपके लिए मौजूद रहूंगा।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, ईएमएस। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस भूषण आर गवई के नाम का प्रस्ताव देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के तौर पर कानून मंत्रालय को भेजा गया है। यह नाम मौजूदा मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भेजा है, जिनका कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। दरअसल, परंपरा के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस ही अपने उत्तराधिकारी का नाम सरकार को भेजते हैं। इस बार भी यही प्रक्रिया अपनाई गई है। कानून मंत्रालय ने औपचारिक तौर पर जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम पूछा था, जिसके जवाब में उन्होंने जस्टिस गवई का नाम आगे बढ़ाया।

लाड़ली बहनों के खातों में आए 1552 करोड़

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंडला से जारी की राशि, नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

मंडला, ईएमएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में 1552.38 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की है। मुख्यमंत्री यादव बुधवार को मंडला जिले के टिकरवारा गांव पहुंचे। यहां आयोजित जनकल्याण कार्यक्रम में उन्होंने सिंगल क्लिक से राशि जारी की। योजना के तहत हर हितग्राही को 1250-1250 रुपए की राशि मिली है। सीएम ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 56.68 लाख हितग्राहियों को 340.13 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की।

इससे पहले कार्यक्रम में आए सीएम का मंडला के पारंपरिक शैला नृत्य से स्वागत किया गया। सीएम डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में भी शामिल हुए।

वंचित महिलाओं के लिए एक और मौका

बता दें कि प्रदेश सरकार द्वारा 28 जनवरी, 2023 को शुरू की गई लाडली बहना योजना के लाभ से अगर कोई महिला वंचित रह गई है तो उनके लिए सरकार ने नई पहल की है। लाड़ली बहन योजना 3.0 शुरू करने जा रही है। इस योजना के तीसरे चरण में वो सारी महिलाएं शामिल हो सकती हैं जो पहले और दूसरे चरण में चूक गई थीं।

सिलेंडर रिफिलिंग की 57 करोड़ की राशि भेजी

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में अप्रैल माह की किस्त 1552 करोड़ 38 लाख रूपये अंतरित किया। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 23वीं किस्त है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़ रूपए की राशि अंतरित किया। मुख्यमंत्री 25 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 57 करोड़ की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से भेजी।

25 राज्यों में आंधी-बारिश, बिहार-झारखंड में यलो अलर्ट

श्रीनगर में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, 80 साल का रिकॉर्ड टूटा

● **नई दिल्ली, ईएमएस**

मौसम विभाग ने बुधवार को देश के 25 राज्यों में आंधी-बारिश का अनुमान लगाया है। बिहार, असम और ओडिशा में तेज बारिश की आशंका है। झारखंड, ओडिशा और मेघालय में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि श्रीनगर का बीते 80 सालों में सबसे ज्यादा गर्म दिन था। शहर का तापमान सामान्य से 10.2 डिग्री ज्यादा 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर में इस वक्त औसत तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहता है।

जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में इससे पहले 20 अप्रैल, 1946 को सबसे ज्यादा तापमान 31.1 डिग्री दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि 15 अप्रैल को कश्मीर घाटी के अलग-अलग इलाकों में तापमान सामान्य से 8.1 से 11.2 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं, राजस्थान का बाड़मेर लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। जिले का तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले तीन से चार दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने का अनुमान जताया है। इधर, हिमाचल में ओलावृष्टि-तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां के 4 जिलों में भारी बारिश भी हो सकती है। अगले 5 दिन राज्य में मौसम खराब बना रहेगा। हरियाणा में आज बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी। बिहार के 22 जिलों में बारिश-आंधी का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मप्र के 9 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार

मप्र के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। इनमें रतलाम, नर्मदापुरम, खंडवा, शाजापुर, खरगोन, नरसिंहपुर, उज्जैन, धार और गुना शामिल हैं। सबसे गर्म रतलाम रहा, जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। नर्मदापुरम में टेम्परेचर 41.6, खंडवा में 41.5, शाजापुर में 41.1 और खंडवा-नरसिंहपुर में 41 डिग्री रहा। इसी तरह उज्जैन में 40.7, धार में 40.4 और गुना में तापमान 40.3 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में तेज गर्मी की संभावना जताई है। मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन तेज गर्मी का असर रहेगा। ग्वालियर, चंबल, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी, लू भी चल सकती है। मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की संभावना जताई है। इस दौरान बारिश के आसार नहीं है। पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा-शहडोल संभाग में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

मिशन हॉस्पिटल का लाइसेंस सस्पेंड

फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट की सर्जरी से हुई थी 7 मरीजों की मौत

दमोह, ईएमएस। दमोह जिले में स्थित मिशन हॉस्पिटल का लाइसेंस बुधवार को स्वास्थ्य विभाग ने सस्पेंड कर दिया। यह कार्रवाई अस्पताल में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट नरेंद्र यादव उर्फ नरेंद्र जॉन कैम द्वारा की गई अनाधिकृत सर्जरी और मरीजों की मौत के मामले में की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि अस्पताल का लाइसेंस 31 मार्च 2025 को समाप्त हो गया था। दिसंबर 2024 में प्रबंधन ने लाइसेंस रिन्यू करने का आवेदन किया था, लेकिन अस्पताल में कई कमियां पाए जाने के कारण उसे लौटा दिया गया था। तय समय में आवेदन दोबारा न करने के कारण अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि अस्पताल को नए मरीजों को भर्ती न करने और पहले से भर्ती मरीजों को दमोह जिला अस्पताल में शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल में कैथ लैब और अन्य विभागों को चलाने के लिए डॉक्टर तक मौजूद नहीं थे।

डसॉल्ट एविएशन ने भारत सरकार से मांगी जमीन

नोएडा, ईएमएस। फ्रांसीसी विमान बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत में निवेश की इच्छुक है। इसलिए कंपनी ने भारत सरकार से जमीन मांगी है। वे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण में एफडीआई करना चाहते हैं। यमुना अथॉरिटी डसॉल्ट एविएशन को जमीन देने की तैयारी में है। यहां भारतीय वायुसेना के राफेल और मिराज-2000 जैसे लड़ाकू विमानों की मरम्मत भी होगी।

ट्रेड वॉर से भारत चिंतित

नई दिल्ली, ईएमएस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड वॉर का असर चीन पर सबसे ज्यादा है। भारत पर इसका खास फर्क नहीं पड़ा है, लेकिन आने वाले दिनों को लेकर सरकार चिंतित है। चिंता इसकी है कि अमेरिकी कृषि उत्पादों का आयात भारत में बढ़ सकता है। इसके अलावा चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया की फैक्ट्रियों में बने माल का भी भारत में आयात बढ़ने की आशंका है।

फटाफट खबरें

भूकंप से हिल गई दिल्ली और एनसीआर

काबुल, ईएमएस। आज बुधवार को सुबह सुबह अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित उत्तरी भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह लगभग 4:44 बजे आया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस भूकंप से अफगानिस्तान या भारत में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में लोगों ने हल्के से मध्यम झटकों का अनुभव किया।

रूस युद्ध समाप्त करे और ले अमेरिकी सौगात

वॉशिंगटन, ईएमएस। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। ऐसे में अमेरिका ने रूस को बड़ा ऑफर देते हुए कहा है कि यदि रूस इस युद्ध को रोकने की पहल करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्त । कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका, रूस के साथ आर्थिक साझेदारी भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि पहले रूस को युद्धविराम करना होगा। व्हाइट हाउस ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

करांची में पोलियो खुराक से इनकार

इस्लामाबाद, ईएमएस। कराची पोलियो वैक्सीन देने से इनकार करने वाले पाकिस्तानी शहरों की सूची में टॉप पर है, जहां पोलियो वायरस विरोधी अभियानों के दौरान परिवारों ने अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने से इनकार कर दिया है। यह चिंताजनक आंकड़े देश के संघीय स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने बताए। उन्होंने कहा कि 85 फीसदी परिवारों ने अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने से मना कर दिया है। कमाल ने खुलासा किया कि पाकिस्तान में कम से कम 44,000 परिवारों ने अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने से इनकर किया है।

बिजली गुल होते ही भड़की हिंसा की आग

नासिक, ईएमएस। एक धार्मिक स्थल को लेकर विवाद चल रहा था। इसको लेकर दोनों पक्षों में गुस्सा था। ये गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब यहां बिजली गुल हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिससे 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उपद्रवियों ने करीब आधा दर्जन वाहनों में भी तोड़फोड़ कर दी। जानकारी अनुसार नासिक के काठे गली इलाके में मंगलवार रात पुलिस पर पथराव किया गया। यह घटना तब हुई जब क्षेत्र में बिजली कट गई और इसी अंधेरे का फायदा उठाकर भीड़ ने अचानक पुलिस और आसपास खड़े वाहनों पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए।

उर्दू भारत में ही जन्मी भाषा, इसे धर्म से जोड़ना गलत

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला, याचिका को किया खारिज

अकोला, ईएमएस। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में पातुर नगर परिषद के साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को बरकरार रखते हुए एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि भाषा संस्कृति का हिस्सा है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। कोर्ट ने उर्दू को ÷गंगा-जमुनी तहजीब÷ की बेहतरीन मिसाल बताते हुए इसे भारत में जन्मी भाषा करार दिया है।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने पातुर नगर परिषद की पूर्व पार्षद वर्षाताई संजय बागड़े की याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में भारत की भाषाई विविधता की सराहना की और कहा कि हमें अपने पूर्वाग्रहों को त्यागकर हर भाषा से दोस्ती करनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर भारत का विभाजन न हुआ होता, तो हिंदी और उर्दू का मिश्रित रूप हिंदुस्तानी शायद देश की राष्ट्रीय भाषा होती। याचिकाकर्ता ने साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को चुनौती दी थी और दावा किया था कि महाराष्ट्र स्थानीय प्राधिकरण अधिनियम, 2022 के तहत केवल मराठी का इस्तेमाल होना चाहिए। पीठ ने कहा कि भाषा किसी धर्म की नहीं होती, वह किसी समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस धूलिया ने कहा कि उर्दू भारत में जन्मी भाषा है और इसे किसी धर्म से जोड़ना गलत है। यह गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो उत्तरी और मध्य भारत की समन्वित सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। उन्होंने साफ कहा कि उर्दू और मराठी दोनों का संविधान के तहत समान दर्जा है। कोर्ट ने कहा कि यदि स्थानीय लोग उर्दू से परिचित हैं, तो साइनबोर्ड पर इसका इस्तेमाल करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि उर्दू को अक्सर मुस्लिम समुदाय से जोड़कर देखा जाता है, जो कि वास्तविकता से कोसों दूर है। जस्टिस धूलिया ने कहा कि औपनिवेशिक शक्तियों ने हिंदी को हिंदुओं और उर्दू को मुसलमानों से जोड़ने की गलत धारणा बना ली है।

अमेरिका में फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार

वॉशिंगटन, ईएमएस। एक फिलिस्तीनी युवक को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब छात्र अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा था। युवक का नाम मोहसिन महदावी बताया जा रहा है, जो पिछले एक दशक से अमेरिका में रह रहा है और 2015 से ग्रीन कार्ड धारक है। उसे सोमवार को इमीग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट के एजेंटों ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज कार्यालय से गिरफ्तार किया। महदावी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई पूरी कर चुका है और आगामी सत्र में मास्टर डिग्री शुरू करना वाला था। गाजा युद्ध के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में उसने सक्रिय भूमिका निभाई थी।

कतर में रेत के तूफान के बीच ही निकलते हुए लोग। (फोटो-ईएमएस)

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने बोला हमला...

कांग्रेस परिवार से डरी बीजेपी बदले की भावना से कर रही काम

● नई दिल्ली, ईमएस

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट दाखिल करने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने बीजेपी पर हमला बोला है। राशिद अल्वी ने कहा कि बीजेपी कांग्रेस परिवार से खौफ खाती है। उसे लगता है कि अगर बीजेपी को कोई सत्ता से कोई हटा सकता है तो वह एकमात्र कांग्रेस पार्टी ही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने कहा कि बीजेपी, कांग्रेस को डराना चाहती है और कांग्रेस को खत्म करना चाहती है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तो कई बार कह चुके हैं कि वह कांग्रेस मुक्त भारत बनाना चाहते हैं। देश में इस तरह का बयान क्या ठीक है। अल्वी ने कहा कि बीजेपी बदले की भावना से काम कर रही है। देश का बच्चा-बच्चा जानता है कि ईडी, सीबीआई केंद्र सरकार के इशारों पर काम कर रही हैं। बीजेपी गांधी परिवार को बदनाम कर रही है। इस मामले में जब कोर्ट कांग्रेस परिवार को 10 से 15 साल बाद बरी कर देगी तो बीजेपी क्या जवाब देगी। उन्होंने कहा कि संविधान का आर्टिकल 14 कहता है कि देश में हर आदमी कानून के सामने बराबर है, लेकिन जिन लोगों पर बीजेपी भ्रष्टाचार का आरोप लगाती रही है, वे आज इनकी पार्टी में हैं और मंत्री बने बैठे हैं। आर्टिकल 14 भी उनके लिए खामोश हो जाता है। निश्चित तौर पर जो हो रहा है वह बदले की भावना से हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने इस चार्जशीट में उन लोगों के नाम दिए हैं जो गांधी परिवार के नजदीक हैं। बीजेपी को एहसास होना चाहिए कि आप के हाथों में हमेशा ताकत नहीं रहेगी। कल विपक्ष की सरकार बनती है तो वह भी यही काम करता है तो आपको कैसा महसूस होगा। जिस तरह के कदम बीजेपी उठा रही है उससे लोकतंत्र खत्म हो रहा है। नेशनल हेराल्ड मामले पर कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि बीजेपी हमारे हाईकमान को दबाना चाहती है, लेकिन जितना आप दबाएंगे कांग्रेस उतना ही उठेगी।

कांग्रेस को धरने का हक, लेकिन जमीन लूटने का नहीं... यह कहते हुए बीजेपी नेता रविशंकर हुए हमलावर

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट दाखिल करने के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस द्वारा देशभर में किए जा रहे प्रदर्शन पर बीजेपी ने करारा हमला बोला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस को धरने का हक है, लेकिन जमीन और फंड लूटने का नहीं। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने दावा किया कि कांग्रेस ने 'यंग इंडिया लिमिटेड' नामक कंपनी के ज़रिए नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जा किया। इस कंपनी में 76फीसदी शेयर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ 50 लाख रुपये में 90 करोड़ रुपये का कर्ज राइट ऑफ कर, देश के कई शहरों में स्थित करोड़ों की संपत्ति अपने नियंत्रण में ले ली गई। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया को गैर-लाभकारी संस्था बताया गया, लेकिन इसका कोई सामाजिक कार्य सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी से ईडी द्वारा पूछताछ हो चुकी है और अब कोर्ट में सुनवाई 21 और 25 अप्रैल को होगी।

विरोध प्रदर्शन, कानूनी प्रक्रिया से भागने की कोशिश

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों को कानूनी प्रक्रिया से भागने की कोशिश करार दिया है। उन्होंने कहा, कि क्या कानून को अपना काम नहीं करना चाहिए? क्या हजारों करोड़ की संपत्ति पर सवाल उठाना गलत है? इसके साथ ही भाजपा ने साफ कर दिया कि नरेंद्र मोदी सरकार के अधीन जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही हैं और किसी भी धरने या विरोध से उन पर कोई दबाव नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि यह अखबार कभी आज़ादी की लड़ाई की आवाज़ था, लेकिन कांग्रेस ने इसे नेहरू परिवार का निजी मंच और पैसे कमाने का एटीएम बना दिया। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सवाल करते हुए कहा, कि मैं उनके प्रदर्शन के अधिकार को चुनौती नहीं दूंगा, लेकिन प्रदर्शन आखिर किस बात के लिए? जैसे बिहार में जब कभी लालू यादव और उनके परिवार से जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी या सीबीआई पूछताछ करती है, तो लोग धरना-प्रदर्शन के लिए पहुंच जाते हैं, वैसे ही क्या कांग्रेस ने भी वही मॉडल अपना लिया?

बंगाल हिंसा को लेकर ममता पर उठाए सवाल

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने पश्चिम बंगाल में हालिया हिंसा को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही है और हिंदुओं के खिलाफ टारगेटेड हमलों को नजरअंदाज कर रही है। वक्फ बोर्ड में सुधारों पर ममता बनर्जी की चुप्पी पर भी उन्होंने तंज कसा और जवाब मांगा। बहरहाल ईडी द्वारा चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद से ही देश में राजनीति में गर्माहट साफ देखने को मिली है, जिसके चलते राजनीतिक वार और पलटवार वाले बयान भी तेजी आने शुरु हो गए हैं। इससे देश का राजनीतिक गलियारा और गरमाने की उम्मीद है।

बिहार में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पटना, ईएमएस। बिहार की राजधानी पटना में कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड केस में राहुल-सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के विरोध में प्रदर्शन किया है। आयकर विभाग चौराहे पर प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, विधानमंडल दल के नेता डॉ.शकील अहमद खान सहित पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश प्रभारी ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह जनता के लिए काम नहीं कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई और प्रशासन केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। इसकारण मजबूरन हम लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा है। वहीं, दिल्ली में तेजस्वी के साथ हुई मीटिंग पर कहा, मंगलवार को दिल्ली में मीटिंग अच्छी रही। अब पटना में भी महत्वपूर्ण बैठक होगी। जिसमें गठबंधन में शामिल सभी दलों के प्रतिनिधि शामिल होने वाले है। हम एकजुट होकर एनडीए को हराएंगे। डॉ. शकील अहमद खान ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार चाहती ही नहीं है कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रहे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सवाल किए जाते हैं। संसद के अंदर और बाहर सवाल पूछे जाने पर जवाब नहीं मिलता। इसके बदले में विपक्षी दलों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

इंस्टा क्वीन ने दुपट्टे से दबाया पति का गला

मेरठ, ईएमएस। यूपी के मेरठ में हुए सौरभ हत्याकांड की जांच अभी चल ही रही है इसी बीच हरियाणा में एक पत्नी ने अपनी पति की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक यहां इंस्टाग्राम पर रील बनाने की शौकीन एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं उसके बाद दोनों ने उसकी लाश को ठिकाने भी लगा दिया। बताया जा रहा है कि महिला को पति ने उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था।

इस हत्याकांड में महिला रवीना जो इंस्टाग्राम पर काफी पॉपुलर है और रील्स बनाने की शौकीन है। उसके सोशल मीडिया पर 30 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वह रेवाड़ी की रहने वाली है। वहीं प्रेमनगर के हांसी का रहने वाला सुरेश जो एक यूट्यूबर है। वह रवीना का प्रेमी है। रवीना का पति प्रवीण वह पुराना बस स्टैंड क्षेत्र गुजरों की ढाणी का रहता था। पत्नी को प्रेमी संग रंगरलियां मनाते प्रवीण ने देखा लिया तो रवीना ने प्रेमी के साथ मिल कर उसकी हत्या कर दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रवीना और सुरेश लंबे समय से एक दूसरे के संपर्क में थे। 25 मार्च को प्रवीण ने दोनों को घर में ही आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। इसके बाद उनमें जमकर विवाद हुआ और रवीना और सुरेश ने मिलकर प्रवीण का दुपट्टे से गला घोंट दिया जिससे प्रवीण की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर पॉपुलर रवीना को रील बनाने का बहुत शौक था। उसके इसी शौक पर परिवार को आपत्ति थी। इसके चलते प्रवीण के साथ उसका झगड़ा होता रहता था। यूट्यूब सुरेश पर भी कई जाने माने कलाकार उसके वीडियो में नजर आ चुके हैं। 32 साल की रवीना की सुरेश से मुलाकात का जरिया भी सोशल मीडिया ही बना। इंस्टाग्राम पर संपर्क होने के बाद दोनों ने करीब डेढ़ साल तक साथ में कंटेंट बनाया। इसपर भी प्रवीण आपत्ति जताता था। दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है।

पैसे देकर बाहरी लोगों को बुलाया, बंगाल में हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार

सीएम ममता ने कहा- कई जगह वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार भी रहते हैं

कोलकाता, ईएमएस। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में भड़की हिंसा के लिए भी बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पैसा देकर बाहरी लोगों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों में हिंदुओं को सोशल वेलफेयर के लिए वक्फ ने दान दिया है। आज कई जगहों पर वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार रहते हैं। उन्होंने बीजेपी पर स्टेट वक्फ बोर्ड तोड़ने और उसका नियंत्रण आपने हाथों में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में आपकी सिंगल मैजोरिटी नहीं है, फिर यह कैसे कर रहे हैं? उन्होंने बीजेपी के मनमानी के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को भी घेरते हुए कहा कि आप दोनों क्यों चुप हैं? क्या आपने उन्हें वोट नहीं दिया? अगर वक्फ में बदलाव करना था, तो संविधान संशोधन क्यों नहीं किया? आपने चालाकी से बिल पास कराया।

ममता ने बीजेपी पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने रामनवमी के दिन दंगे भड़काने की योजना बनाई थी, लेकिन जनता ने इसे नाकाम कर दिया।

उन्होंने कहा कि हर समाज में कुछ गद्दार होते हैं जो पैसे लेकर अपनी ही जड़ें काटते हैं। अगर आपको विरोध करना है, तो इंडोर स्टेडियम में करें, बाहर नहीं, क्योंकि वहां बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम तनाव भड़काएंगे। ममता ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज कसा। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को इतनी जल्दी क्यों है?

पीएम मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा स्थगित

नई दिल्ली, ईएमएस। पीएम नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर यात्रा स्थगित हो गई है। इस दौरे में पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले थे। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। इस यात्रा को स्थगित करने का फैसला खराब मौसम की चेतावनी बताया जा रहा है।

भारतीय मौसम विभाग के श्रीनगर कार्यालय ने 18 और 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। पीएम के दौरे को लेकर राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर तैयारी की थी। 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन पर पहले ही मॉक ड्रिल और ट्रायल रन किया जा चुका है। मंगलवार को इस खंड पर ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी और कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू किए थे। विशेष सतर्कता कठुआ, उधमपुर, रियासी और रामबन जिलों में बरती जा रही थी।

हमास ने बंधकों के परिवारों को चेताते हुए कहा...

ऐसा ही रहा तो इजराइली बंधक ताबूतों में लौटेंगे

गाजा, ईएमएस। इजराइल ने हाल ही में मिस्र और कतर के मध्यस्थों को 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बदले में 11 इजराइली बंधकों की रिहाई और हमास के हथियार डालने की मांग रखी गई है। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी तरह के निरस्त्रीकरण को स्वीकार नहीं करेगा। इसी बीच कसाम ब्रिगेड्स ने एक और वीडियो जारी कर बंधकों के परिवारों को चेताया कि यदि इजराइली हमले जारी रहे, तो उनके बच्चे ताबूतों में लौटेंगे, शरीर टुकड़ों में बिखरे होंगे।

उधर, वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा है कि एडन एलेक्ज़ेंडर की रिहाई ट्रंप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसी विषय पर पिछले महीने हामास और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता भी हुई थी। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय हालात को अब तक के सबसे खराब स्तर पर बताया है। इजराइल की ओर से लगातार बमबारी और जनवरी 2024 के बाद से फिर से लगाए गए पूर्ण प्रतिबंधों ने भोजन, ईंधन और दवा जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति को लगभग असंभव बना दिया है।

जानबूझकर बमबारी करने का आरोप

इजराइल के हमलों के बीच हमास के सशस्त्र विंग कसाम ब्रिगेड्स ने दावा किया है कि इजराइली सेना ने जानबूझकर उस स्थान पर बमबारी की है, जहां अमेरिकी मूल के नागरिक एडन एलेक्ज़ेंडर को कैद में रखा गया था। संगठन के मुताबिक, इस हमले के बाद से उनका बंधक और उसे कैद करने वाले समूह से संपर्क टूट गया है। हमास का आरोप है कि इजराइल, बंधकों की हत्या कर उन्हें छुड़ाने के लिए बने अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचना चाहता है।

जिंदा देखा गया था अमेरिकी बंधक

शनिवार को हमास ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें 21 वर्षीय एलेक्ज़ेंडर को ज़िंदा दिखाया गया। वीडियो में वह साफ तौर पर तनाव में नजर आ रहे थे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील कर रहे थे कि उन्हें ग़ाज़ा से बाहर निकाला जाए।

इजराइल के करीबी जार्डन को दहलाने की साजिश नाकाम

मुस्लिम ब्रदरहूड से जुड़े 16 लोग अरेस्ट

अम्मान, ईएमएस। ईरानी मिसाइल हमलों के दौरान इजरायल के खिलाफ कवच बनने वाले मुस्लिम देश जॉर्डन को रॉकेट और किलर ड्रोन से दहलाने की साजिश नाकाम हुई है। जॉर्डन सरकार ने खुलासा किया कि प्रशासन ने मुस्लिम ब्रदरहूड से जुड़े 16 लोगों को अरेस्ट किया है।

इन सभी लोगों को लेबनान में ट्रेनिंग और पैसा मिला था। इन लोगों ने रॉकेट और ड्रोन से भीषण हमले की साजिश रची थी। अधिकारियों ने कहा कि कम से कम एक रॉकेट हमला करने के लिए पूरी तरह से तैयार था। मुस्लिम ब्रदरहूड सहित कई कट्टरपंथी संगठन जॉर्डन सरकार पर इजरायल की मदद करने के आरोप लगाते रहे हैं। जॉर्डन के सूत्र ने कहा कि ये सभी संदि?ध मुस्लिम ब्रदरहूड से जुड़े हुए थे जो हमास और जॉर्डन के सबसे बड़े विपक्षी गुट के सहयोगी हैं। हमले की साजिश करने वाले गुट के कमांडर ने लेबनान में उन्हें ट्रेनिंग दी थी। बात दें कि लेबनान हिज्बुल्लाह का गढ़ है। हमास और मुस्लिम ब्रदरहूड मिलकर इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले के बाद जॉर्डन में सरकार विरोधी आंदोलन को हवा दे रहे हैं। पैगंबर मोहम्मद साहब के वंशज कहे जाने वाले जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय को अमेरिका का खुला समर्थन है। जॉर्डन में अमेरिकी सेना का एयरबेस भी मौजूद है। जॉर्डन में बड़ी तादाद में फलस्तीनी रहते हैं। जॉर्डन के खुफिया विभाग ने कहा कि सुरक्षा बलों ने एक रॉकेट और हमलावर ड्रोन बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है।

एयर हॉस्टेस के साथ आईसीयू में दुष्कर्म

गुरूग्राम, ईएमएस। हरियाणा के गुरुग्राम में मौजूद मेदांता अस्पताल में एक 46 वर्षीय एयर हॉस्टेस के साथ कथित रूप से आईसीयू में दुष्कर्म करने के आरोप ने सनसनी फैला दी है। महिला की ओर से दर्ज शिकायत में कहा गया है कि वह 6 अप्रैल को अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर पर थी, जब किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अस्पताल स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, अस्पताल की ओर से मेडिकल सुपरिटेंडेंट संजय दुरानी ने कहा है कि अस्पताल को शिकायत की जानकारी दी गई है।

नड्डा के घर सीक्रेट बैठक, पीएम मोदी की राष्ट्रपति से मुलाकात...

क्या कुछ बड़ा करने की तैयारी में है सरकार

● नई दिल्ली, ईमएस

देश में इन दिनों नए वक्फ कानून को लेकर राजनीति जारी है। संसद से पारित नए कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन की आग में जहां एक ओर पश्चिम बंगाल के कई इलाके हिंसा की आग में जल रहे हैं। वहीं कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई शुरु हो गई। इस बीच दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ बीजेपी के तमाम नेताओं की हालिया गतिविधि ने सभी का ध्यान खींचा है। अटकलें है कि क्या देश में कुछ बड़ा होने वाला है।

दरअसल बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर बीती रात एक हाई-प्रोफाइल बैठक ने इन बातों को हवा दी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव जैसे दिग्गज नेता शामिल हुए। बीजेपी के शीर्ष नेताओं की यह बैठक करीब ढाई घंटे तक चली। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। शाह और सिंह जैसे नेताओं की मौजूदगी इसका संकेत देती है कि चर्चा में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं। वहीं, पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव का होना आर्थिक और बुनियादी ढांचे से जुड़े मसलों की ओर इशारा करता है। कुछ जानकारों का कहना है कि बैठक मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल की संभावना को भी बल दे रही है। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात भी करीब एक घंटे तक चली। हालांकि, मुलाकात का आधिकारिक एजेंडा सामने नहीं आया है।

कुछ का मानना है कि यह एक औपचारिक मुलाकात हो सकती है, लेकिन नड्डा के आवास पर चल रही बैठक के साथ इस मुलाकात को जोड़कर देखा जा रहा है। क्या मुलाकात किसी बड़े संवैधानिक या प्रशासनिक फैसले से जुड़ी है? क्या मोदी सरकार कोई बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है? ये सवाल सोशल मीडिया और सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। कुछ लोगों पूरे घटनाक्रम को मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़ा, कुछ ने हाल के सियासी घटनाक्रमों, जैसे विपक्षी नेताओं पर ईडी की कार्रवाई, से जोड़कर देखा। हालांकि, इन अटकलों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म

निगम ने विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

भोपाल(ईएमएस)। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर, स्टैण्ड बोर्ड, रैक आदि।

राजधानी लोकल

डिवाइडर पर चढ़कर पलटी कर्मचारियों से भरी बस

भोपाल(ईएमएस)। राजधानी के नजदीक बागसेवनिया थाना इलाके में भोपाल-नर्मदापुरम रोड पर बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के सामने बुधवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। यहॉ सोम डिस्टिलरीज के कर्मचारियो को ले जा रही बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। एक्सीडेंट में बस में सवार ड्राइवर-कंडक्टर सहित सोम डिस्टिलरीज के करीब 15 कर्मचारी घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर और एक की हालत चिंताजन बताई जा रही है।

फटाफट खबरें

डिप्रेशन में आये अधेड़ ने फांसी लगाई

भोपाल(ईएमएस)। बागसेवनिया थाना इलाके में रहने वाले एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार दिनेश प्रताप सिंह (55), 99-2ए साकेत नगर में प ी के साथ किराये से रहते हुए प ी के साथ नाश्ते की दुकान लगाते थे। उनके दो बेटे बाहर रहते हैं, वहीं पड़ोस में विवाहित बेटी रहती है। परिवार वालो ने पुलिस को बताया कि पहले उनका परिवार स्टेशन बजरिया इलाके में रहता था, लेकिन यहां दुकान लगाने के कारण उन्होंने मकान किराए पर ले लिया था। कुछ साल पहले सड़क हादसे का शिकार होने के बाद दिनेश के दोनों पैर ठीक से काम हनीं करते थे। वे ठीक से चल फिर नहीं पाते और उन्हें सुनाई भी कम देने लगा था।

देशी कट्टा, सहित बदमाश गिरफ्तार

भोपाल(ईएमएस)। कोहेफिजा पुलिस ने इलाके के आदतन बदमाश को आदी मोहम्मद खान को देशी कट्टा, जिंदा कारतूस सहित धारदार हथियार सहित गिरफ्तार किया है। बताया गया है की बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। टीआई बिजेन्द्र मर्सकोले से मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात पैट्रोलिंग के दौरान टीम को मुखबिर से सूचना मिली की युवक किसी गंभीर घटना को अंजाम देने की नियत से सैफिया ग्राउंड मे कट्टा और चाकू लेकर घूम रहा है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को दबोच लिया। पूछताछ में उसकी पहचान आदी एम खान पिता फैज मोहम्मद खान (20) निवासी खानूगाँव कोहेफिजा के रुप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास एक देशी कट्टा, कारतूस और छुरा बरामद हुआ। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला कायम कर गिरफ्तार कर लिया गया।

छात्रा ने जहर खाने के बाद लगाई फांसी

भोपाल(ईएमएस)। देहात क्षेत्र के थाना सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाली आठवीं कक्षा की छात्रा ने पहले जहर खाया और उसके बाद फांसी लगा ली। हादसे की भनक लगते ही परिवार वाले उसे फौरन ही इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को फिलहाल घटनास्थल से ऐसा कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या का कारण साफ हो सके। सूत्रो के अनुसार शुरुआती बातचीत में परिवार वालो ने पुलिस को बताया है कि छात्रा के आठवीं कक्षा में कम नंबर आए थे, जिसको लेकर परिवार वालो ने उसे ध्यान लगाकर पढ़ाई करने की नसीहत की थी। थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम ओमकारा सेवनिया में रहने वाली उमा यादव पुत्री रामस्वरूप (15) ने इस साल आठवीं की परीक्षा दी थी।

किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल(ईएमएस)। गांधी नगर थाना इलाके में रहने वाली 13 साल की किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने की घटना सामने आई है। उसके मुंह से झाग निकलता देख घबराये परिवार वाले उसे इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहॉ डॉक्टरो ने थोड़ी देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक अब्बास नगर, गांधी नगर में रहने वाली शिफा खान पिता रिजवान खान (13) स्कूली छात्रा थी। परिजनो ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह अचानक शिफा के मुंह से झाग निकलने लगा और उसकी तबीयत बेहद नाजूक हो गई, परिवार वाले उसे फौरन ही हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे वहां कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस को डॉक्टरो ने बताया की अनुमान है।

▶ सायबर टीम ने अब तक 10 ठगोरो को पहुंचाया जेल

68 लाख की ठगी करने वाली गैंग में शामिल दो सगे भाई भीलवाड़ा से गिरफ्तार

4 सालों में विदेश में बैठे सायबर ठगों को टेलीग्राम पर बेच चुके है 150 बैंक खाते

भोपाल(ईएमएस)।

राजधानी भोपाल की साइबर क्राइम ब्रांच टीम ने डिजिटल अरेस्ट कर 68 लाख 49 हजार रुपए की ठगी करने के मामले में एक और सफलता पाते हुए राजस्थान के भिलवाड़ा से दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी सगे भाई है, जिन्होनें विदेश में बैठे ठगों को टेलीग्राम के जरिए किराये पर बैंक खाते उपलब्ध कराए थे, इन अकाउंट में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी।

इस मामले में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पकड़े गये आरोपी बीते 4 साल में करीब 150 बैंक खाते साइबर ठगों को बेच चुके हैं। क्राइम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की फरियादी ने साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था की अज्ञात व्यक्ति ने खुद को फेडएक्स कंपनी का कर्मचारी बताते हुए ड्रग्स से जुड़ा पार्सल उनके नाम से ताइवान भेजे जाने की बात कही। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का डीसीपी बताते हुए स्काइप पर वीडियो कॉल कर उन्हें धमकाते हुए डिजिटल अरेस्ट कर लिया। डर और मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे आरोप में फंसाने की धमकी देकर गिरफ्तारी किये जाने की बात कहते हुए जालसाजो ने फरियादी से 68.49 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। शिकायत मिलने पर पुलिस ने उन खातो की छानबीन की जिसमें ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी।

जांच में सामने आया कि आरोपी राजेन्द्र मीणा ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक खाता खोला था, और बैंक कर्मचारी लोकेश सैनी ने इस फर्जीवाड़े में उसकी मदद की थी। यह खाता डेढ़ लाख रुपए में नमो नारायण मीणा को बेचा गया। नमो नारायण ने इसे आरोपी सगे भाईयो विशाल भट्ट (25) और यशपाल भट्ट (21) पिता चन्द्रप्रकाश भट्ट निवासी बदादा बाद, गुलाबपुरा जिला भीलवाडा राजस्थान तक पहुंचाया। विशाल और यशपाल ने यह खाता टेलीग्राम पर साइबर ठगों को 15-20 प्रतिशत कमीशन पर बेचा। इन खातों का उपयोग जाल मे फंसे लोगो से ठगी की रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। बाद में आरोपी अपना हिस्सा क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से लेते थे। आरोपी विशाल ग्रेज्युएट है, और प्राईवेट नौकरी करता है, उसका काम अकाउंट खरीदकर ठगो को किराये पर देने का था। वही उसका भाई यशपाल भट्ट 12वी की पढ़ाई कर रहा है, वह भी अपने भाई के साथ मिलकर सायबर ठगों को खाते बेचता था। मामले में पुलिस आरोपी बैंक खाता धारक, राजेन्द्र कुमार मीणा, लोकेश सैनी, बैंक कर्मचारी जिसने फर्जी ढंग से खाता खुलवाने में मदद की, अब्दुल कादर और अब्दुल रहमान इनका काम ठगी की रकम को ठगों तक पहुंचाने का था।

दहशत फैलाने वाले बदमाशों का पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल(ईएमएस)। पुराने शहर के टीला जमालपुरा थाना इलाके में स्थित नगर निगम कॉलोनी में रहने वाले युवक की बाइक में आग लगाकर दहशत फैलाने वाले तीन बदमाशों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार करने के साथ ही उनका जुलूस निकाला। बताया गया है कि जिस युवक की बाइक को जलाया गया, पूर्व में उसने आरोपियों में से एक को थप्पड़ जड़ दिया था। इसी का बदला लेने की नीयत से बदमाशो ने वारदात को अंजाम दिया गया। थाना पुलिस ने बताया की नगर निगम कॉलोनी में रहने वाले फराज खान (32) ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था की आरोपी साहिल हनुमानगंज थाने का निगरानी बदमाश है। उसके साथी शब्बर और औबेज भी आदतन प्रवृत्ति के हैं। तीनों ने मंगलवार की रात को उसके घर आकर बाहर बुलाया और शराब पीने के लिये पैसो की मांग करते हुए अड़ीबाजी करने लगे। फराज ने जब उनका विरोध करते हुए रकम देने से इंकार किया तब तीनो ने उसके दो पहिया वाहन में आग लगाई और उसके साथ मारपीट कर धमकी देकर भाग गए। मामला दर्ज कर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए कुछ घंटो के भीतर ही शब्बर और औबेज को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों का बुधवार दोपहर को घटनास्थल वाले इलाके में जुलूस निकाला गया।

पिंजरे में तोता लेकर पहुंची कांगेस ने ईडी दफ्तर पर किया प्रदर्शन

नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले

भोपाल (ईएमएस)।

कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ चार्ज शीट पेश किए जाने को लेकर कांग्रेस सड़को पर उतर आई है। अपना विरोध दर्ज कराते हुए कांग्रेसियो ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर पर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पिंजरे में प्रतीकात्मक तोता लेकर ईडी के दफ्तर पहुंचे। इस बीच पुलिस ने कार्यकर्ताओ को रोकने के लिये बैरिकेड्स लगाने के साथ ही कार्यालय का गेट बंद कर दिया। नाराज कार्यकर्ता तेज धूप में ही सड़क पर ही लेटकर नारेबाजी करने लगे। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा की सोनिया और राहुल गांधी को लेकर ईडी की कार्यावाही अलोकतांत्रिक है। बाद में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ चार्ज शीट पेश किए जाने का विरोध करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पीसीसी चीफ पटवारी प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पिंजरे में प्रतीकात्मक तोता लेकर पहुंचे। इस दौरान पुलिस को ज्ञापन के साथ ही पिंजरे में रखा तोता भी भेंट किया। इस दौरान जीतू पटवारी ने मीडिया से कहा कि सोनिया गांधी के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। ईडी ने 5 हजार से अधिक केस दर्ज किए, लेकिन पिछले 10 साल में उसका रिजल्ट शून्य रहा है। आज ईडी सिर्फ बीजेपी का तोता बनकर काम कर रही है।

नौ साल से मायके में रह रही थी पत्नि, परेशान पति ने रात को खाया जहर, सुबह हो गई मौत

भोपाल(ईएमएस)। देहात क्षेत्र के बैरसिया इलाके में रहने वाले एक युवक ने बीती देर रात जहरीला पदार्थ खा लिया। परिवार वालो ने उसे इलाज के लिये हॉस्पिटल पहुंचाया लेकिन उसकी हालत लगातार नाजूक होती गई आखिरकार सुबह उसने दम तोड़ दिया। बताया गया है की पारिवारिक विवाद के चलते उसकी पत्नि उसके साथ रहने को राजी नहीं थी, और बीते करीब नौ साल से अपने मायके में ही रह रही थी। अनुमान है कि इसी तनाव में आकर उसने यह कदम उठाया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम इमलिया में रहने वाला मोहन सिंह (34) पुत्र मातम सिंह पेशे से खेती किसानी करता था। उसकी पत्नि नौ साल से दोनों बेटियों को लेकर शमशाबाद में स्थित अपने मायके में रह रही है। मोहन और उसके परिजनों ने कई बार उसे समझाइश देते हुए वापस लाने की कोशिशे की लेकिन पत्नी ने ससुराल आने से मना कर दिया। मृतक के परिवार वालो का आरोप है कि मोहन की सास ने उसपर हत्या के प्रयास का केस दर्ज करा रखा है। करीब एक साल पहले जब वह पत्नि चाची को लेने मायके गया था, उस समय हुए विवाद के बाद मोहन का अपनी सास से जमकर झगड़ा हो गया था।

भोपाल से किशोरी को किडनेप कर सीहोर में रेप करने वाले को उम्रकैद

भोपाल(ईएमएस)।

राजधानी के गोविंदपुरा थाना इलाके से साल 2019 में 14 साल की नाबालिग किशोरी को अगवा कर उसे सीहोर ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को दोषी करार देते हुए अदालत ने उम्रकैद की सजा से दण्डित किये जाने की की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायधीश पॉक्सो एक्ट कुमुदिनी पटेल की कोर्ट ने सुनाया है। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला और ज्योति कुजूर ने पैरवी की थी। लोक अभियोजक से मिली जानकारी के अनुसार साल 2019 में 9 दिसंबर को पीड़िता के पिता ने गोविंदपुरा थाने पहुंचकर बताया कि उनकी 14 साल की नाबालिग बेटी को आरोपी शरीफ अता दूध लेने का कहकर अपने साथ ले गया था, जो वापस नहीं लौटा था। आरोप शरीफ किशोरी के भाई के दोस्त का मुंह बोला चाचा था। जो घटना के आठ दिन पहले से पीड़िता के घर में रह रहा था। पुलिस ने दो दिन बाद लापता किशोरी को सीहोर से दस्तयाब किया था। अपने बयानो में पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे दूध दिलाने का कहकर जबरन अपने साथ नादरा बस स्टैंड ले गया और वहां से सीहोर लेकर चला गया। सीहोर में एक वृद्व महिला के कमरे में उसे बंधक बनाकर रखते हुए ज्यादती की। किशोरी के बयानों के आधार पर पुलिस ने धारा 363, 366, 376 (3) भादवि 3/4, 5/6 पॉक्सो एक्ट व 3(2)5 एससीएसटी एक्ट की धाराओ में मामला दर्ज कर जॉच के बाद चालान कोर्ट में पेश किया था।

स्वर्णमय नवीन वेदिका पर भगवान आदिनाथ की प्रतिमा विराजमान

भक्ति में झूमे भक्त, कुंडलपुर चांदखेड़ी के बड़े बाबा के जयकारों से गुंजायमान हुआ जिनालय

भोपाल(ईएमएस)।

श्री आदिनाथ जैन मंदिर पिपलानी में चार दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन हुआ। मुनि विमल सागर महाराज के सासंघ सानिध्य में नवीन वेदिका पर भगवान आदिनाथ की प्रतिमा विराजमान की गई तो हर्ष उल्लास के साथ करतल ध्वनी से भक्तों ने जयकारे लगाए और भक्ति नृत्य के साथ प्रभु की वंदना की । प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया प्रभु अभिषेक के साथ जगत शांति की कामना को लेकर शांति धारा की गई1 अविनाश भैया के निर्देशन में विश्व शांति महायज्ञ भी हुआ। स्वर्ण कलश का आरोहण के साथ छत्र, चवर, भामंडल की स्थापना भी की गई। इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर महाराज के चरण चिन्ह को भी स्थापित किया गया। सभी और हर्ष उल्लास का वातावरण था। समाज के लोगों में प्रभु आदिनाथ की चरण वंदना करने होड़ मची हुई थी। मुनि विमल सागर महाराज ने कहा - जीवन की जटिलता स्वयं के सरलता और सहज आचरण से समाप्त हो जाती है। मंदिर समिति के राजू गोयल और प्रदीप हरसोला ने बताया कि महा आरती के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी हुई। अरविन्द पंत, संजय महेन्द्र , आनंद परिवार और प्रदीप बड़कुर परिवार द्वारा श्री जी को नवीन वेदी पर विराजमान किया गया। भगवान को नवीन रजत छत्र और चंवर भी अर्पित किए गए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मनोज बांगा मंदिर समिति के अरविन्द पंत, राजू गोयल प्रदीप हरसोला, संयम जैन, पत्रकार अतुल सिंघई, संजय जैन,अतुल जैन, नीतेश जैन, नवीन जैन, दिलीप जैन, दीपक नरपत्य, श्री ऐरादेवी महिला मंडल की श्रीमती मृदु जैन, अनिता पंत, मंजु हरसोला, सिम्मी गंगवाल और ज्योति गोयल, मनीषा जैन, वंदना, अंजू, मोनिका आदि मौजूद थी।

शादी के दो महीने बाद नवविवाहिता ने मायके में फांसी लगाई

परिजनों ने पति पर लगाये अन्य महिला से संबध होने पर प्रताड़ित करने के आरोप

भोपाल (ईएमएस)। पुराने शहर के छोला थाना इलाके में शादी के दो महीने बाद ही नवविवाहिता द्वारा अपने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। नवविवाहिता के परिजनों ने उसके पति पर अन्य महिला से सबंध होने को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रुप से प्रताड़ित किये जाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस का कहना है की मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है, जिसके पूरा होने पर ही सही कारणो का खुलासा हो सकेगा है। मिली जानकारी के मुताबिक छोला इलाके के कैंची छोला क्षेत्र में रहने वाली भारती कुचबंदिया (23) पत्नी विशाल कुचबंदिया ने अपने घर के कमरे में

दुपट्टे का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों के अनुसार भारती की शादी शादी इसी साल विशाल कुचबंदिया से 3 फरवरी को सम्मेलन में हुई थी। शादी के कुद दिनो बाद ही पति मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था। परिजनो का यह भी आरोप है कि पति विशाल किसी अन्य महिला के भी संपर्क में है, इसी लिये वह भारती को अपनाने को तैयार नहीं था।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गड़बड़ी को रोकने की कवायद

अब आपका चेहरा दिलाएगा राशन

भोपाल,ईएमएस।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए सरकार जो भी कदम उठाती है उसका तोड़ ढूढ़ लिया जाता है। इसको देखते हुए सरकार ने फर्जीवाड़ा रोकने के लिए एक फुलप्रूफ प्लान बनाया है। इसके तहत अब सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गड़बड़ी को रोकने के लिए उपभोक्ता परिवारों की फेस आईडी बनाई जाएगी। जिससे जब उपभोक्ता राशन दुकान पर जाएगा तो फेस आईडी एप उसका चेहरा देखकर उसे राशन दिलाएगा।

गौरतलब है कि मप्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गड़बड़ी के कारण पात्र हितग्राहियों को राशन नहीं मिल पाता है। ऐसे में गड़बड़ी को रोकने के लिए विभाग अब उपभोक्ता परिवारों की फेस आईडी बनाने की तैयारी कर रहा है। यह प्लान अभी शुरुआती चरण में है और ई-केवायसी का कार्य पूरा होने के बाद फेस आईडी एप को लेकर प्रक्रिया तेज होगी।

फेस आईडी एप रोकेगा गड़बड़ी

अधिकारियों का कहना है कि ई-केवायसी के बाद सभी हितग्राहियों का डाटाबेस विभाग के पास रहेगा तो फेस आईडी बनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। फेस आईडी एप के लिए भारत सरकार से सब्सक्रिप्शन लेकर काम किया जाएगा। यह प्रक्रिया आने वाले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में फिलहाल लगभग 25 हजार दुकानों के माध्यम से प्रतिमाह करीब 1.23 करोड़ परिवारों को राशन मिलता है। जबकि 1.31 करोड़ परिवारों के कार्ड बने हैं। उचित मूल्य की दुकानों से गेहूं, चावल मुख्य रूप से मिलते हैं।

थाने के सामने खुद को जलाने वाले पति ने तोड़ा दम

पत्नि पहुंची थी थाने, एफआईआर के डर से पति ने खुद को लगाई थी आग

भोपाल(ईएमएस)। पुराने शहर के गौतम नगर थाने के सामने खुद को आग लगाने वाले युवक ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मूल रूप से टीकमगढ़ का रहने वाला 30 वर्षीय सूरज ग्यासी निजी काम करता था, और टीला जमालपुरा में स्थित हरीजन बस्ती में पत्नी के मायके में रह रहा था। बीते दिनो उसका अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, गुस्साई पत्नि ने उसके खिलाफ टीला जमालपुरा में शिकायत दर्ज करा दी थी। इसके बाद बीती 11 अप्रेल को दोपहर के समय भी पति-पत्नि के बीच एक बार फिर झगड़ा हो गया। पत्नि उसकी शिकायत करने गौतम नगर थाने पहुंच गई। पत्नि के पीछे ही सूरज भी खुद पर पेट्रोल डालकर

थाने के बाहर आया। उसे लगा की प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेगी। इसी विचार के कारण उसने खुद को आग लगा ली। उस पर नजर पड़ते ही पुलिस कर्मियो ने फौरन ही उस पर पानी डालकर आग की चपेट से बचाते हुए उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। चार दिनों तक इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन... ऑटोमैटिक कैमरों से की जाएगी ट्रैफिक नियमों की निगरानी

अब ट्रैफिक नियम तोड़ने पर चालान वीडियो सबूत से होगा

▶ ट्रैफिक चालान के लिए अब 10 सेकंड तक का वीडियो होगा रिकॉर्ड

भोपाल,ईएमएस।

अब ट्रैफिक नियम तोडने पर चालान सिर्फ फोटो से नहीं, बल्कि वीडियो सबूत से होगा। केंद्र सरकार ने एक नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी किया है, जिसके तहत ट्रैफिक नियमों की निगरानी ऑटोमैटिक कैमरों से की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह एसओपी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है, जिसका मकसद सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और ट्रैफिक सिस्टम को ज्यादा सख्त और पारदर्शी बनाना है।

एसओपी में वीडियो साक्ष्य रिकॉर्ड करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है, यहां तक कि 200 किमी प्रति घंटा तक की रफ्तार पर भी। ताकि ध्यान भटकने और गलत दिशा में वाहन चलाने के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को कम किया जा सके। यह पहल सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के जवाब में की गई है जिसमें 23 राज्यों और 7 केंद्र

शासित प्रदेशों (यूटी) को मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के कार्यान्वयन पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

कौन-कौन से नियमों पर होगी नजर

एसओपी के अनुसार, ऑटोमेटेड कैमरा प्रवर्तन प्रणाली ट्रैफिक उल्लंघनों की निगरानी के लिए प्राथमिक तरीका होगा। यह प्रणाली ड्राइवरों और प्रवर्तन एजेंसियों दोनों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत हेलमेट या सीट बेल्ट न पहनना, मोबाइल फोन पर बात करना, रॉन्ग साइड गाड़ी चलाना, और ड्राइव करते हुए खाना या पीना जैसी हरकतों को अब कैमरे में रिकॉर्ड किया जाएगा। यह कैमरे इतनी हाई-टेक होंगे कि 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक भी साफ-साफ वीडियो रिकॉर्ड कर सकेंगे। यानी कोई भी वाहन तेज रफ्तार से निकल जाए, तब भी नियम तोडने की तस्वीर और वीडियो दोनों कैमरे में आ जाएंगे।

वीडियो सबूत के आधार पर कटेगा चालान

नई एसओपी के मुताबिक, चालान जारी करने के लिए अब कैमरे कम से कम 1 सेकंड और ज्यादा से ज्यादा 10 सेकंड तक की वीडियो रिकॉर्डिंग करेंगे। इसमें गाड़ी का नंबर, लोकेशन, तारीख और समय जैसी सारी जानकारी साफ दिखाई देनी चाहिए, और वो भी बिना किसी ब्लर या धुंधलेपन के। इतना ही नहीं, ये सिस्टम रियल टाइम में काम करेगा। जैसे ही कोई नियम तोड़ा जाएगा, एक सेकंड के अंदर ट्रैफिक डिपार्टमेंट को अलर्ट भेज दिया जाएगा। कैमरे में लगे सेंसर्स और एडवांस एल्गोरिदम यह पहचान सकेंगे कि सामने आ रही गाड़ी वाकई में नियम तोड़ रही है या फिर कोई इमरजेंसी व्हीकल (जैसे एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड) है जिसे अनुमति मिली हुई है।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील कोलार, जिला भोपाल म.प्र.
आर. सी. एम. एस प्रकरण क्रमांक 022802032025001-APP-24525203

उद्घोषणा पत्र

1. एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री चितरंजन सरकार आत्मज स्व. श्री टी. के. सरकार निवासी डी-3/479, दानिश नगर तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र.भू.रा. सहिता 1959 की धारा 109,110 के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र पंजीयन जिसका पुस्तक क्रमांक ए-1, ग्रन्थ क्रमांक 19242 पर दस्तावेज क्रमांक 3570/ग देकर दिनांक 19/04/2005 को उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में पंजीकृत किया गया है। जिसका आवासीय प्लाट क्रमांक डी-1/49, जिसका खसरा क्रमांक 395, 396/1, 396/2, 409/2, 411/1, 411/2 कुल रकबा 42.45 एकड़ के अंश भाग पर निर्मित दानिश गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल मे स्थित दानिश नगर, ग्राम बावडिया कला तहसील कोलार जिला भोपाल में स्थित है। प्लाट का कुल क्षेत्रफल 2352 वर्गफीट अर्थात् 218.59 वर्गमीटर है। भूमि का नामांतरण राजस्व अभिलेखों मे आवेदक के नाम पर किये जाने का अनुरोध किया है।
2. उक्त संबंध मे किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो 02.05.2025 को या इससे पूर्व इस न्यायालय मे उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
3. उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 16.04.2025 को जारी किया गया है।

तहसीलदार
तहसील कोलार, भोपाल

कलेक्टर ने मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला का किया निरीक्षण

खरगोन, ईएमएस। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा 16 अप्रैल को सनावद रोड़ खरगोन में स्थिति मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया और प्रति दिवस मिट्टी नमूनों की परीक्षण की जानकारी ली गई। इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्री शिवसिंह राजपूत, सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारी श्री रामशंकर जाट, सहायक संचालक कृषि श्री दीपक मालवीय उपस्थित रहे।

आज रोगी कल्याण समिति की बैठक

खरगोन, ईएमएस। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति जिला चिकित्सालय खरगोन की कार्यकारिणी की बैठक 17 अप्रैल को सांय 05 बजे कलेक्ट्रेट सभागृह में आयोजित होगी।

संपादकीय

मोदी राज में एनडीए के भीतर पहली बार बगावती स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की छवि इस बार पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। पहले दो कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में थी। इस बार उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह गठबंधन के राजनीति की मजबूरी है। पिछले 11 साल में पहली बार मोदी-शाह की जोड़ी को सहयोगी दलों के बगावती तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार और गुजरात में इसकी शुरुआत हो चुकी है। बिहार में पारस पासवान और मांझी ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं उनके भतीजे चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं वक्फ बिल और दलित को लेकर जो नई राजनीतिक स्थिति जमीन पर देखने को मिल रही है। उसके बाद चाचा पारस ने एनडीए से पाला झाड़कर, इंडिया गठबंधन का पल्ला पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी सेंध लगा दी है। भाजपा के पूर्व विधायक एवं महामंत्री महेश वसावा ने कांग्रेस का पल्ला गुजरात में थाम लिया है। राहुल गांधी बुधवार को गुजरात गए। वहां पर उन्होंने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देशम पार्टी हो या नीतीश कुमार की जनता दल (यू), दोनों ही पार्टियाँ अब गठबंधन में अपने वजूद और हिस्सेदारी को लेकर जरूरत से ज्यादा मुखर हैं। मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व, राज्यों की विशेष मांगें और नीति-निर्माण में अहमियत देने की माँग अब केवल दबे स्वर मे नहीं, बल्कि सार्वजनिक मंचों से एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल उठाने लगे हैं। यह स्थिति दर्शाती है, भाजपा का पहले जैसा एकछत्र राज नहीं रहा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यू में भाजपा ने जिस तरह से सेंध लगाई है उससे बिहार में जनता दल का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है। उड़ीसा वाला खेल भाजपा द्वारा बिहार में खेला जा रहा है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया सहयोगी दलों में देखने को मिल रही है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में डर एवं भय देखने को मिल रहा है। सहयोगी दल अब सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी के दावेदारी कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन के भीतर असहमति के सुर खुलकर सामने आने लगे हैं। सहयोगी दलों में अब मोदी-शाह और ईडी, सीबीआई का भी डर नहीं रहा। सहयोगी दल अधिकारों की बात कर रहे हैं। सहयोगी दल अब 'वन नेशन, वन पॉलिसी' जैसी नीतियों पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं। वक्फ बिल को लेकर भी देश के कई राज्यों में स्थितियां बड़ी तेजी के साथ बदली हैं जिसके कारण छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होता हुआ दिख रहा है।

इस घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया के लिए यह दबाव जरूरी है। भाजपा और केंद्र सरकार में अभी जो एकाधिकार है। सहयोगी दल उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। एनडीए में शामिल सभी सहयोगी दल अपनी बात खुलकर सामने रख रहे हैं। अगर इनकी अनदेखी की गई, तो यह बगावत का कारण बन सकता है। जो केंद्र सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। भाजपा को बदली हुई परिस्थितियों में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए संवाद की नीति सहयोगी दलों के साथ अपनाना होगी। केंद्र सरकार और भाजपा को सभी साझेदारों को सम्मान और उनकी मांग को प्राथमिकता देना होगी।तभी मज़बूत गठबंधन कायम रह पाएगा। जिस तरह की चुनौती वर्तमान में केंद्र सरकार को मिल रही है।उसमे बढता आर्थिक संकट ,महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक एवं राजनीतिक समीकरण बड़ी तेजी के साथ देश मे बदल रहे हैं। सहयोगी दलों के बगावती स्वर केवल असहमति नहीं,बल्कि भाजपा के लिए एक चेतावनी भी हैं। लोकतंत्र में सत्ता साझा करना स्थायित्व की कुंजी है। सहयोगी दलों को ऐसा लगता है आगे चुनाव जीतना या चुनौतियों का मुकाबला भाजपा के लिए मुश्किल होगा। ऐसी स्थिति में सहयोगी दल अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए पाला बदलने में देर नहीं करेंगे अभी तक गठबंधन का यही हश्र देखने को मिला है। समय रहते हुए मोदी-शाह की जोड़ी को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। मोदी-शाह की पकड़ शनै- शनै- कमजोर होती जा रही है।

– सनत जैन

राज काज

सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं मानेगी सरकार

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर जो फैसला दिया है ।उससे सरकार आग बबूला हो गई है । सरकार ने समीक्षा याचिका दायर करने का निर्णय लिया है । जल्द ही केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी । तीन या पांच जजों की खंडपीठ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलेगी? केंद्र सरकार इस बात से आश्चर्यचकित है । कोई जज राज्यपालों और राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह का फैसला कैसे दे सकता है । केंद्र सरकार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है । सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गोलबंदी की तैयारी कर ली है ।केंद्र सरकार इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती है ।

एडीएम के पलनीसामी भाजपा गठबंधन का सीएम चेहरा

तमिलनाडु में एडीएम ने भाजपा के साथ एक बार फिर गठबंधन कर लिया है । पहले भी भाजपा के साथ गठबंधन था । लेकिन गठबंधन, तलाक में बदल गया था । अब विधानसभा चुनाव आने वाले हैं । भाजपा ने एडीएम के साथ गठबंधन करके ईके पलनीसामी को भाजपा गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा के रूप में स्वीकार कर लिया है । भाजपा अब पलानी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी । इस बार भाजपा तमिलनाडु में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने जा रही है । केंद्र सरकार जल्द ही डीएमके नेताओं के ऊपर शिकंजा कसेगी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में श्रीलंका का दौरा करके लौटे हैं । श्रीलंका से लेकर तमिलनाडु तक भाजपा ने नई बिसात बिछाई है । इसका मुकाबला डीएमके कैसे करेगी । यह काफी महत्वपूर्ण होगा । भाजपा में मोदी शाह की जोड़ी जिस तरह की बिसात बिछाती है । उसका मुकाबला करना आसान नहीं होता है । पहली बार तमिलनाडु के चुनाव में तरह-तरह के नजारे देखने को मिलेंगे ।

कोविड के बाद बच्चों-युवाओं की साइलेंट अटैक से मौत

बिना किसी बीमारी के युवाओं बच्चों और आम आदमियों की मौत साइलेंट अटैक से हो रही है । कोविड महामारी के बाद लोगों को वैक्सीन के टीके लगाए गए थे । उसके दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं ।खेलते खेलते, वरमाला डालते, डांस करते, साइकिल चलाते, खाना खाते और सोते हुए लोग गिरते हैं । घटना स्थल पर ही तुरंत मर जाते हैं ।इस तरह के साइलेंट अटैक पहले नहीं आते थे । जिस तरह के अब आ रहे हैं ।अमेरिका में कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर जांच हुई थी ।अमेरिका में जुर्माना भी लगाया गया था ।जाँच मे मौत का कारण वैक्सीन माना गया था । साइलेंट अटैक से हो रही लगातार मोतों के कारण भारत के लोगों में भी भय फैल रहा है । कोविशील्ड वैक्सीन के कारण लोगों की मौत हो रही है? सरकार ने अभी तक साइलेंट अटैक से जो मौत हो रही हैं । उनकी जांच करने का कोई उपक्रम नहीं किया है । जिसके कारण लोगों में भय का वातावरण बन रहा है ।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं।

पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो।

ये कहां आगए हम : प्रजातंत्र के स्तंभों में 'शक्ति प्रदर्शन' स्पर्द्धा....

ओमप्रकाश मेहता

क्या अठहत्तर वर्षिय हमारा प्रजातंत्र अब इतना बुजुर्ग हो गया है कि उसे 'अधिकार' की लाठी टेककर चलना पड़ रहा है? यहीं नहीं उसे यह दिखाना भी पड़ रहा है कि उसके हाथ में लाठी है? वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं है, वह तो अब समय ही ऐसा आ गया है, जब प्रजातंत्र को दिखावे के लिए यह सब करना पड़ रहा है, जरा सोचिये.... जब प्रजातंत्र का हर एक अंग एक-दूसरे के सामने अपने को ज्यादा ताकतवर दिखाने के लिए शक्ति प्रदर्शन करें तो फिर स्तंभों के सामने और कोई विकल्प ही क्या है? जब विधायिका अपने आपको खुदा मानने लगे, न्यायपालिका अपनी सर्वोच्चता प्रकट करें, कार्यपालिका की अहमियत खत्म होने लगे, तक बैचारे प्रजातंत्र की क्या स्थिति होगी और जहां अघोषित चैथे स्तंभ खबर पालिका का सवाल है, वह विक्रय की वस्तु बन जाए तो फिर प्रजातंत्र का रक्षक कौन? ऐसी स्थिति में तो उसकी 'अकाल मृत्यु' सुनिश्चित ही है, आज यही स्थिति है।

भारत में आज यही परिदृष्य है, न्यायपालिका अपने आपको सर्वोच्च मान राष्ट्रपति जी को निर्देश दे रही है कि वे संसद द्वारा पारित विधेयकों पर तीन माह की समयावधि में अपना मन्तव्य स्पष्ट करें, उन्हें मंजूरी देनी है या नहीं? यह स्पष्ट करें और यदि किसी कारण से इस समयवधि से भी अधिक देरी होती है तो राष्ट्रपति को मंजूरी में देरी का लिखित में कारण बताना होगा। जहां तक हमने अभी तक पढ़ा है, सीखा है, वह यही है कि हमारे प्रजातंत्र की सर्वोच्च शख्सियत राष्ट्रपति होता है, वही सरकार का प्रमुख होता है, प्रधानमंत्री नहीं? फिर प्रजातंत्र की सर्वोच्च इस हस्ती को निर्देशित करने की यह हिम्मत न्यायपालिका ने कैसे जुटाई? इसी बीच देश की आजादी के बाद पहली बार विधानसभा में पारित हुए एक दर्जन विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बगैर तमिलनाडू सरकार ने अधिसूचित कर दिया, इससे राज्यपाल की मंजूरी के बगैर ये कानून के रूप में लागू हो गए। इन उदाहरणों से यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे प्रजातांत्रिक देश में भी स्वेच्छाचारिता का राज चल रहा है और 'सत्तारूढ़' वही सब करता है जो उसे करना है, उसे कोई भी कानून रोक नहीं पा रहा है.... अर्थात् शीर्ष से निम्न स्तर तक स्वेच्छाचारिता जारी है और कानून लाल बस्ते में सिसकियां ले रहा है। अब सवाल यह है कि क्या देश की सर्वोच्च अदालत को राष्ट्रपति के सामने इस तरह पेश होना चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय यहीं तक सीमित नहीं रहा, उसने तो राष्ट्रपति को यहां तक कह दिया कि- '' राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटों का अधिकार नही है, इसलिए राष्ट्रपति के लिए तीन महीनें में विधेयकों पर फैसला लेना कानूनन अनिवार्य है'', मतलब यह कि अब सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति जी के प्रति भी सख्त सीख अपनाने लगा है, आज स्वेच्छाचारिता का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है? इसी तरह के प्रजातंत्र के दौर से आज देश गुजरने को मजबूर है। मतलब यह कि प्रजातंत्री देश में शायद पहली बार तमिलनाडू में बिना राज्यपाल की मंजूरी के दस विधेयकों ने कानूनी रूप धारण कर लिया।

यह तो महज एक उदाहरण है, देश के विभिन्न राज्यों में ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएगें जहां प्रजातंत्र का हर स्तंभ अपना शक्ति प्रदर्शन कर दूसरे स्तंभों से अपने आपको शक्तिशाली प्रदर्शित करता दिखाई देगा। अब किया क्या जाए? प्रजातंत्र की सबसे अहम् शख्सियत 'प्रजा' तो बैचारी 'दर्शकदीर्घा' में बैठा दी गई है, इतनी लम्बी अवधि में उसे उसकी शक्ति का अहसास तक नही होने दिया गया है, तो फिर देश में ऐसे 'तमाशों' के अलावा हो ही क्या सकता है? अब तो देश और प्रजा की यही परिणति है और यही आगे भी चलता रहेगा। हाय.... हमारा प्रजातंत्र.... और हम....।

सुविचार

कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है।

– वीर सावरकर

उत्तरदायित्व में महान बल होता है, जहाँ कहीं उत्तरदायित्व होता है, वहीं विकास होता है। – दामोदर सातवलेकर

प्रसंग

योग्यता छिपती नहीं

एक बार अवन्ती के राजा बाहुबलि को अपने राज्य के ए लिए राज ज्योतिषी की आवश्यकता थी । समस्त राज्य में यह घोषणा कर दी गया । अनेक ज्योतिषी आये । राजा ने पहले ज्योजिषी से प्रश्न किया- आप भविष्य कैसे बतलाते हैं, महाशय? ज्योतिषी ने कहा- नक्षत्र देखकर । दूसरे ज्योजिषी से यही प्रश्न किया गया। उसने कहा- मैं कुण्डली देखकर बता सकता हूं कि आमुक यक्ति की स्थिति क्या रहेगी। तीसरे ज्योतिषी ने कहा- मैं तो हस्त रेखाएं देखकर व्यक्ति के भविष्य का आकलन करता हूं। राजा ने सबकी बात सुनी, लेकिन उन्हें सन्तोष नहीं हुआ । अचानक उन्हें उन्हीं के राज्य में लब्ध प्रतिष्ठित ज्योतिषी की याद हो आयी। वे विष्णु शर्मा थे । उन्होंने तुरन्त विष्णु शर्मा को बुलावा भेजा । राजा बाहुबलि ने पूछा- महाशय ! आपको तो पता होगा ही कि हमने राज ज्योतिषी के लिए घोषणा की थी, आप क्यों नहीं आये? विष्णु शर्मा ने कहा- मैं अपना भविष्य जानता था कि मैं ही राज ज्योतिषी बनूंगा, इसीलिए मैंने इस पद के लिए कोई आवेदन नहीं किया । मैं जानता था कि जितने भी ज्योतिषी आ रहे हैं, वे अपना ही भविष्य नहीं जानते, भला वे राज्य का भविष्य कैसे बतलायेंगे? यह सुनकर राजा अत्यन्त प्रभावित हुए और उन्हें राज ज्योतिषी के पद पर नियुक्त कर लिया ।

जरा हटके

दुनिया की सबसे छोटी नदी! पलक झपकते ही पार, सिर्फ 61 मीटर लंबी

वाशिंगटन, (ईएमएस)। आपने गंगा, नील और अमेजन जैसी विशाल नदियों के बारे में तो सुना ही होगा, जिनकी लंबाई हजारों किलोमीटर में होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी भी नदी है, जिसे आप महज कुछ सेकंड में पार कर सकते हैं? जी हां, यह कोई मज़ाक नहीं, बल्कि हकीकत है! इस रहस्यमयी और अनोखी नदी का नाम है रॉए नदी। यह अमेरिका के मोंटाना राज्य में स्थित है और इसकी कुल लंबाई केवल 61 मीटर (201 फीट) है। इतनी छोटी कि छलांग लगाते हुए इसे पार कर लें।

छोटा पैकेट, बड़ा कमाल : यह नदी अमेरिका के मोंटाना राज्य के गायंट स्प्रिंग्स से निकलती है और कुछ ही दूरी पर जाकर मिसौरी नदी में मिल जाती है। इसकी लंबाई सिर्फ 61 मीटर है। इस कारण इसे गिनीज रिकॉर्ड में 1989 से 2006 तक दर्ज रखा गया था। रॉए नदी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे छोटी नदी के रूप में दर्ज किया गया था। हालांकि बाद में इस श्रेणी को हटा दिया गया।

....और भी हैं छोटी नदियां : दुनियां में रॉए नदी के अलावा भी कुछ और छोटी नदियां हैं, जो लंबाई के मामले में काफी छोटी हैं। ऐसी ही नद्रियों में तम्बोरासी नदी का नाम आता है जो इंडोनेशिया में स्थित है और इसकी लंबाई केवल 20 मीटर है। इसके अलावा नॉर्वे की कोवासेल्वा नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 65.6 फीट है। यहां बताते चलें कि रॉए नदी को अधिकतर संस्थाएं और रिकॉर्ड बुक्स आज भी दुनिया की सबसे छोटी मान्यता प्राप्त नदी मानती हैं।

किसे माना जाता है नदी?

जब बात नदी को परिभाषित करने की आती है तो विषय विशेषज्ञों की राय भिन्न-भिन्न नजर आती है। ऐसे में यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, किसी भी जलधारा को नदी कहलाने के लिए यह जरूरी है कि उसमें पानी लगातार बहता हो और यह पानी किसी ऊंचे क्षेत्र से आकर किसी समुद्र, झील या दूसरी नदी में मिल जाए। रॉए नदी इस परिभाषा को पूरी तरह फिट बैठती है, इसलिए इसका 'नदी' कहलाना भी पूरी तरह वाजिब है।

फोटो ऑफ द डे

रुस में यूक्रेनी ड्रोन हमले में ध्वस्त हुई इमारत नजर आ रही। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

अचार में चूहा

अविनाश वाचस्पति

लालच से कभी किसी का भला नहीं हुआ है। बिल्ली बंदर का किस्साड हो या बिल्ली भेड़िये का। अंगूर सदा खट्टे ही रहते हैं और रोटी कभी बिल्लीर नहीं खा पाती है। किसी को भी लालच से लाभ हुआ हो, ऐसी मिसाल नहीं मिलती हैं। फिर भी लालच वो बला है जिससे गले मिलने के लिए सभी आतुर रहते हैं। लालच सदा ही ले डूबता है, कभी लालच में घिरकर कोई डूबने से बच नहीं पाया है। चाहे वो इंसान हो या कोई जीव जंतु। आज आपको चूहे की ऐसी कथाएँ बतला रहा हूँ जो लालच से घिरने पर अपने प्राण दे बैठे, वो सौ ग्राम का जीव लालच के कारण ही निर्जीवता को प्राप्तच हुआ।

एक शब्दन ज्ञानधारी चूहे ने अपने पैने दाँतों से कागज को कुतरने से पहले अपनी निगाहों और पढ़ने के कौशल के जरिए उस लेख को पढ़ लिया जो कि फल-सब्जीु के खाने से मिलने वाले फायदों को बतला रहा था। उस लेख को पढ़ने पर चूहे का अपने चूहेधर्म यानी कागज कुतरने से मोह भंग हो गया और वह तुरंत ही फल-सब्जियों की तलाश में दौड़ता कि तभी वो कागज चूहे की कूद फांद के कारण उलट गया और उसके दूसरी ओर प्रकाशित विज्ञापन पढ़ने पर उसे ज्ञान हुआ कि मध्यसम प्रदेश (एम.पी.) में अचार बनाने की एक मल्टीनेशनल फैक्टौरी लगी हुई है जहाँ पर रोजाना हजारों बोतलें अचार बनाया जाता है। विज्ञापन में दरअसल श्रमिकों की माँग की गई थी परंतु अपना चूहा क्योंकि आधुनिक युग का ज्ञानवान चूहा था और पढ़ना जानता था इसलिए वो यह समझ गया कि अचार बनाने में फल-सब्जियों का ही इस्तेरमाल किया जाता है।

विज्ञापन पढ़ते ही वो मध्यचम प्रदेश की ओर जाने वाली एक फ्लाईट में चढ़ गया जबकि उससे जानकारी पाकर बाद में फ्लाईट में सवार हुआ चूहा पकड़ा गया। बाद वाली फ्लाईट चाहे देरी से गई परंतु विमान के सुरक्षाकर्मियों ने तलाश करके उसकी बलि चढ़ा दी। चूहे की बलि का किस्साा आप अखबारों में पिछले दिनों पढ़ ही चुके हैं, वो चूहा विदेश से भारत में फल-सब्जियों की तलाश में ही पहुँचा था परंतु वो फ्लाईट से बाहर निकल नहीं पाया और जब जहाज का दोबारा उड़ने का समय हुआ तो वो उतरता कि इससे पहले दिखलाई दे गया और जब दिखलाई दे ही गया तो उसे तलाश करके मार डाला गया। इस चूहामार युद्ध में चूहे ने विमान में भरपूर आतंक भी फैलाया।

तो अपना यह पहले वाला सौ ग्राम का चूहा, जिसे विज्ञापन पढ़ने पर आइडिया आया था, वो सकुशल उस अचार फैक्टरी में प्रवेश पा गया। उस फैक्टारी में घुसने में उसे खूब मशक्क त करनी पड़ी क्योंकि रात्रि में दरवाजे के नीचे जाने पर उसके जाति वालों ने उसे खदेड़ दिया पर वो वहाँ से खदेड़े जाने पर भी नहीं रुका और सीवर की नालियों के जरिये फल-सब्जियों के उस भंडार में जा पहुँचा जहाँ पर पहुँचने की उसकी दिली तमन्नाी थी। चूहे के दिल रहा होगा और वो चूहा दिलदार भी था क्योंकि विपरीत परिस्थितियों में उसने हौसला नहीं खोया था। भंडार में पहुँचकर उसने खूब फल-सब्जियों को खाने का कम और कुतर डालने का खूब आनंद उठाया और विटामिन हासिल किए और कैलोरी का खर्चा किया।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है।

रोचक

पार्किंसंस जैसी समस्याएं धीरे-धीरे शरीर को बना देती हैं कमजोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पार्किंसंस डिजीज की समस्या अधिकतर उम्रदराज लोगों में देखने को मिलती है, हालांकि कुछ मामलों में यह 40 वर्ष की उम्र से पहले भी हो सकती है। इस बीमारी का सबसे पहला वर्णन अंग्रेज न्यूरोलॉजिस्ट सर जेम्स पार्किंसन ने किया था। आज की व्यस्त जीवनशैली में हम बड़ी बीमारियों की चर्चा करते हैं लेकिन पार्किंसंस जैसी समस्याएं धीरे-धीरे शरीर को कमजोर बना देती हैं। एक मशहूर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार, पार्किंसंस के मामलों में इधर कुछ वर्षों में तेजी देखी जा रही है। इसकी दो प्रमुख वजह हैं पहली, इस बीमारी की पहचान पहले से बेहतर हो गई है और दूसरी, भारत में बुजुर्ग आबादी में निरंतर वृद्धि हो रही है। यह बीमारी तब होती है जब मस्तिष्क में डोपामिन नामक केमिकल की कमी होने लगती है। डोपामिन शरीर की गति और संतुलन को नियंत्रित करता है। इसकी कमी से मरीज को चलने-फिरने, संतुलन बनाए रखने और हाथ-पांव में कंपन जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। इसके अलावा डिमेंशिया, नींद में गड़बड़ी, मानसिक अवसाद, थकान और संवेदी विकार जैसे लक्षण भी सामने आते हैं। हालांकि इस बीमारी का अब तक कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन दवाओं और विशेष उपचार से इसके लक्षणों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मुख्य रूप से लेवोडोपा नामक दवा का प्रयोग किया जाता है, जो डोपामिन की कमी को पूरा करती है।

एआई पर खर्च में 2028 तक होगा 35 प्रतिशत का इजाफा!

नई दिल्ली, (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर खर्च भारत में 2028 तक 35 फीसदी बढ़कर 9.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया कि बढ़ता हुआ खर्च एआई की क्षमता को अधिकतम करने के लिए बेहतर डेटा गुणवत्ता, प्रशासन और क्लाउड माइग्रेशन की जरुरत को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 51 फीसदी भारतीय कंपनियां क्लाउड पर एआई सॉल्यूशंस होस्ट कर रही हैं।

व्यापार

निवेशकों को पोर्टफोलियो ओवरलैप हुआ तो घटेगा रिटर्न

एक ही कैटेगरी के कई फंड्स में निवेश किया तो हो जाएगा ओवरलैप

नई दिल्ली,(ईएमएस)। म्युचुअल फंड्स उन निवेशकों के लिए बेहद वायदेमंद हैं जो अपने पैसे को अलग-अलग जगह लगाकर रिस्क कम करना चाहते हैं और एक्सपर्ट फंड मैनेजर पर भरोसा करते हैं, लेकिन इसमें जोखिम भी है पोर्टफोलियो ओवरलैप। कई निवेशकों का मानना है कि अगर उन्होंने कई फंड्स में निवेश किया है।

फटाफट खबरें

रुपया बढ़त के साथ खुला

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 85.64 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.77 रुपये पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शु वार को 58 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ ही 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे।

लोन धारक की मृत्यु हो जाए तो कौन भरेगा बकाया रकम

नई दिल्ली, (ईएमएस)। आज-कल लोन लेना आसान हो गया है। लोग अपनी जरूरतों के मुताबिक पर्सनल लोन लेते हैं और बैंकों इस पर ब्याज भी वसूलता है और लोन लेने वाला शख्स ईएमआई के रूप में लोन का भुगतान करता भी है। आमतौर पर बैंक लोन देने से पहले बॉरोअर की फाइनेंशियल हिस्ट्री देखी जाती है उसके बाद ही लोन दिया जाता है, अगर बकाया लोन भरने से पहले ही लोन लेने वाले शख्स की मौत हो जाए, तो यह कई अहम सवाल खड़े करता है कि उस कर्ज की अदायगी कैसे होगी। भारत में पर्सनल लोन ज्यादातर अनसिक्योर्ड होते हैं यानी कोलैटरल की जरूरत नहीं होती है। अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मौत हो जाती है, तो बकाया लोन की अदायगी की जिम्मेदारी ऑटोमैटिक उसके परिवार के सदस्य या कानूनी उत्तराधिकारियों पर नहीं आती है, जब तक कि वे गारंटर या को-एप्लीकेंट न हों। लेंडर मृतक की संपत्ति से कर्ज की वसूली कर सकते हैं।

सेंसेक्स 309, निफ्टी 108 अंक ऊपर आया

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी खरीदारी से आई है हालांकि एशियाई बाजारों में कमजोर रुख से उसपर अंकुश लगा रहा। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले पर कुछ समय बाद ही वह लाल निशान पर पहुंच गये। बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी से कारोबार के दूसरे चरण में इंडेक्स बढ़त के साथ ही हरे निशान में पहुंच गये । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक की ब?त के साथ ही 76,996.78 पर खुला। बीच में आये बदलाव के बाद अंत में सेंसेक्स 309.40 अंक करीब 0.40 फीसदी ऊपर आकर 77,044.29 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी हल्की ब?त के साथ 23,344.10 अंक पर खुला। इसके कुछ समय में ही इसमें गिरावट आने लगी हालांकि बाद में इसके फिर बढ़त आने लगी। अंत में यह 108.65 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी की ऊपर आकर 23,437.20 पर बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी ऑटो, फार्मा और हेल्थकेयर के अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में 2.37 फीसदी तक की बढ़त रही। नि?टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी रही। आज सेंसेक्स में शामिल 30 में से 18 शेयर बढ़त पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक , अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ में अस्थाई रोक की घोषणा के बाद से ही बाजार में उत्साहत का माहौल है। पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन में बेंचमार्क इंडेक्स में 4त्न से ज्यादा की वृद्धि हुई। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 1577.63 अंक बढ़कर 76,734.89 अंक पर जबकि निफ्टी भी यह 500 अंक बढ़कर 23,328.55 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो पिछले ट्रेडिंग सेशन में वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 40,368.96 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.17 फीसदी टूटकर 5,396.63 पर बंद हुआ। जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 16,823.17 पर बंद हुआ। बेंचमार्क से जुड़े फ्यूचर्स भी कम कीमत पर कारोबार कर रहे थे। इसमें डॉव जोन्स फ्यूचर्स में 0.5 फीसदी की गिरावट, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.9फीसदी की गिरावट और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में आज गिरावट देखी गई। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.33 फीसदी नीचे था और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.29 फीसदी नीचे था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 आज 0.17 फीसदी ऊपर था। हांगकांग का हैंग सेंग 1.01 फीसदी नीचे था और चीन का सीएसआई 300 0.87 फीसदी नीचे था।

सोने ने लगाई छलांग 95 हजार पर पहुंचा और चांदी की चमक भी रही बरकरार

नई दिल्ली, (ईएमएस)।

बुधवार को सोने के भाव ने घरेलू वायदा बाजार में पहली बार 95,000 का आंकड़ा पार किया। यह अब तक का इसका सबसे ऊंचा भाव है। सोना 95,090 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए टॉप पर पहुंच गया और बाद में कुछ गिरावट के बाद 95,000 पर कारोबार हुआ। बुधवार दोपहर तक सोने की कीमत में 1.66 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली। चांदी ने भी वायदा बाजार में अच्छी बढ़त दर्ज की, इसकी कीमतें 1.56 फीसदी बढ़कर एमसीएक्स पर 96,253 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसने दिन के भीतर 96,344 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर भी छुआ।

कीमतों में यह उछाल कमजोर डॉलर और ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच जारी अनिश्चितता के चलते आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें गिरते डॉलर, व्यापार को लेकर बने तनाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। स्पॉट गोल्ड 1.7 फीसदी बढ़कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,282.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जो पहले 3,290.1 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर था। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 1.8 फीसदी बढ़कर 3,299.60 डॉलर पर पहुंच गया।

डॉलर इंडेक्स अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले 0.5 फीसदी गिर गया, जिससे अन्य करेंसी होल्डर्स के लिए सोना ज्यादा आकर्षक हो गया। पारंपरिक रूप से सोने को भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के समय सुरक्षित निवेश माना जाता है और इस साल इसने कई रिकॉर्ड को छुआ, जिससे इसकी कीमत में 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ी। प्रमुख बैंकों को आगामी तिमाहियों में सोने की संभावनाओं पर भरोसा है। गोल्डमैन सैक्स ग्रुप का अनुमान है कि 2026 के मध्य तक कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। सिंगापुर स्थित डीलर गोल्डसिल्वर सेंट्रल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि जब तक अनिश्चितता रहेगी, सोना मजबूत रहेगा। सोने में निवेश भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है, जो वित्तीय सुरक्षा के लिए भी अहम है।

निवेशक के पास सोने में निवेश के कई तरीके हैं। फिजिकल गोल्ड रखना अब तक काफी आम तरीका है, लेकिन अब यह काफी तेजी से बदल रहा है और लोग डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ की तरफ मूव कर रहे हैं।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में करोड़ों रूपए का नुकसान

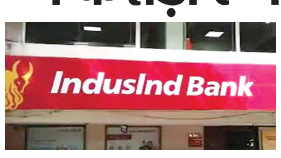

नई दिल्ली,(ईएमएस)।

इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है। पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है। इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी। इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है।

फरवरी में थी 2.38 फीसदी जो मार्च में घटकर 2.05 फीसदी पर आई

मार्च माह में सस्ती हुई खाने-पीने की चीजें, लोगों के साथ सरकार को भी मिली राहत

नई दिल्ली,(ईएमएस)।

मार्च 2025 में महंगाई से राहत मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई गिरावट ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी राहत मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 फीसदी रही जो फरवरी में 3.61 फीसदी थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 फीसदी थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों का असर है। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 फीसदी रही। यह दर्शाता है कि कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है। खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई। खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 फीसदी रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचले स्तर पर था। इसमें प्रमुख योगदान सब्जियों और दालों की कीमतों में आई गिरावट का है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं जैसे फल और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं विनिर्मित उत्पादों की महंगाई मार्च में बढ़कर 3.07 फीसदी हो गई जबकि फरवरी में यह 2.86 फीसदी थी। इसके अलावा मार्च में ईंधन और बिजली की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई जिससे थोक मुद्रास्फीति दर 0.20 फीसदी हो गई जो फरवरी में 0.71 फीसदी थी। खुदरा खाद्य महंगाई मार्च में 2.69 फीसदी रही जबकि थोक खाद्य महंगाई केवल

वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रहेगी, मार्च में मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही

नई दिल्ली,(ईएमएस)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि जून और अगस्त की आरबीआई की नीति बैठक में ब्याज दरों में 25-25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि इस वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी। इसके अलावा, उम्मीद की जा रही है कि आसान लिक्विडिटी की स्थिति बनी रहेगी और ब्याज दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। मार्च में सीपीआई मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही, जो बाजार की 3.5 फीसदी की उम्मीद से कम है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार तीसरे महीने भी अपस्फीति में रहीं, जो पिछले महीने की तुलना में 0.7 फीसदी कम है, जिसका कारण सब्जियों, दालों, अंडों और मछली-मांस की कीमतों का कम होना है। अनाज और दूध की कीमतों में क्रमिक गति सामान्य रही, जबकि चीनी और फलों की कीमतें उंची रहीं। रिपोर्ट में कहा गया है, अप्रैल में मुद्रास्फीति का आंकड़ा मार्च के स्तर के करीब है। प्याज और टमाटर की कीमतों में भारी गिरावट के कारण अप्रैल के पहले 10 दिनों में सब्जियों की कीमतों में 0 से 5 फीसदी की कमी आई है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति के औसतन 3.7 फीसदी रहने का अनुमान है, जो आरबीआई के लक्ष्य और पूर्वानुमान 4 फीसदी से काफी कम है। नई गेहूं की फसल बाजार में आने के साथ अप्रैल से खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी ने भी 2025 के लिए सामान्य मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में रुपए की मजबूती, चीन से आयातित सामानों के दामों में तुलनात्मक कमी, तेल की नरम कीमतें और कमजोर घरेलू विकास के कारण कोर मुद्रास्फीति भी नरम रहने की संभावना है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि चौथ, गुरुवासरे, ज्येष्ठा नक्षत्रे, वलयोगे, वालव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, रोग विमुक्ता, स्नान मुर्हूत, सर्वार्थ सिद्ध योग, अमृत योग 53/21 रिक्ता दोष तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

मेष अपने व्यय पर नियंत्रण रखें, चिन्ता, भ्रमण तथा अशांति से बचें, कष्ट होगा।

तुला अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, अग्नि-चोटादि का भय होगा।

वृष कोई शुभ समाचार हर्षप्रद रखे, थकावट, बेचैनी तथा धन अच्छा व्यय होगा।

वृश्चिक अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य में बाधा होगी, बने कार्य बिग? सकते हैं।

मिथुन कुटुम्ब से तनाव, क्लेश व अशांति तथा मानसिक विभ्रम अवश्य होगा।

धनु व्यावसाय में बेचैनी तथा तनाव बनेगा, परिश्रम विफल होगा, शांत रहें।

कर्क अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें तथा व्यय अनायास होगा।

मकर चोट, कष्टादि का भय, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य की हानि होगी।

सिंह स्त्री-वर्ग से कष्ट व चिन्ता, व्यय, व्यवसाय व कार्य उत्तम बन जायेंगे।

कुंभ स्त्री-वर्ग से तनाव, क्लेश व अशांति तथा मानसिक विभ्रम होगा।

कन्या अधिकारियों के तनाव तथा क्लेश से बचिये, दैनिक कार्यगति में बाधा होगी।

मीन समय ठीक नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें तथा अनायास विभ्रम से अवश्य बचें।

सूडोकु नवताल- 7124

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7123 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

दैनिक पंचांग

17 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.28 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.12 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.10 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.24 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.40 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.52 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.02 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.17 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.33 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मकर	00.38 बजे से
		कुंभ	02.25 बजे से
		मीन	03.57 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 107 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 15.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 05.55 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 15.24 बजे तदनन्तर कौलव 00.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 29' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872317 **जूलियन दिन** 2460782.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8339

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8338 का हल

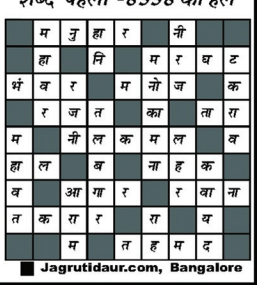

Jagrutidaur.com, Bangalore

किराना

शक्कर 4120-4170, खोपरा गोला 190-225, खोपरा बूरा 3800-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 258-265, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारीक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, गरबल 715-720, मटरदाना 770-795, खसखस अनक्लीन 825-875, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1775, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एव. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 3040-3100, (200) 3400-3450, (250) 3400-3450,

खली रात की धारणा :-गुजरात लुज 1325, मुम्बई पाम 1310, मुम्बई सोया 1300, खली:-कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2225, देवास-उज्जैन 2225, खंडवा-बुरहानपुर 2200, अकोला 3050 (प्रतिक्विंटल)

तेल सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1370, राजकोट टेलिया 2150, सोया साल्वेंट 1215-1220, सोया रिफाइंड 1275-1280, कपास्या 1270, धूलिया 1275, कड़ी 1280,

दलहन चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5100-5400, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6150-6175, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 8000-8100, पाला 8100-8200, चमकी 8200-8300, नायलोन 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

अनाज गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

मिनी ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

अशोकनगर, ईएमएस। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत घाट बमुरिया गांव में बुधवार दोपहर बस स्टॉप के पास मिनी ट्रक ने एक युवक को कुचल दिया। मृतक की पहचान 30 साल के बृजेश दांगी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार घटना के समय बृजेश पैदल जा रहा था। इसी दौरान बंगला चौराहा की तरफ से आ रही मिनी ट्रक ने उसे टक्कर मार दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत टमस नदी की पूजा अर्चना

मैहर, ईएमएस। जिला अर्न्तगत ग्राम पंचायत झुकेही में बुधवार को मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत टमस नदी के उद्गम स्थल पर पहुंच कर पूजा अर्चना की। क्षेत्रीयजनों के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की गई।

आंवरी सरपंच ने जिला जेल को दी नई सौगात

जेल परिसर में पंचायत निधि से तैयार होगी सीसी सड़क, सरपंच ने किया भूमिपूजन

अशोकनगर, ईएमएस।

ग्राम पंचायत आंवरी सरपंच की पहल पर जिला जेल को नई सौगात मिलने जा रही है। जेल परिसर में करीब 4 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण होने वाला है। जिसकी भूमि पूजन बुधवार को ग्राम पंचायत आंवरी सरपंच श्रीमती गंगा विजय बैरागी द्वारा किया गया।

दरअसल, जिला जेल परिसर में पत्थरों की फर्सियां बिछी हुई थी। जिन पर चलने से कैदियों के चोटिल होने के संभावना बनी रहती थी। जिसे लेकर जेलर श्री सिद्धकी द्वारा ग्राम पंचायत आंवरी की सरपंच श्रीमती गंगा विजय बैरागी से जेल परिसर में सीसी सड़क निर्माण करवाये जाने का आग्रह किया था। कैदियों को होने वाली असुविधा एवं संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए सरपंच श्रीमती बैरागी द्वारा पंचायत निधि से सड़क निर्माण के लिए बुधवार को जेल परिसर में भूमि पूजन किया गया। सरपंच श्रीमती बैरागी ने बताया कि जेलर श्री सिद्धकी द्वारा कैदियों की परेशानी से अवगत कराते हुए जेल परिसर में सीसी सड़क निर्माण कराने की मांग की गई थी। जिसे हमने पंचायत में आने वाले फंड से चार लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण के लिए भूमि पूजन किया है। यह सड़क करीब 7 दिन में बनकर तैयार हो जाएगी। जिससे कैदियों को अब असुविधा नहीं होगी। क्योंकि जेल परिषद में पत्थर की फर्सियां बिछी हुई थी, जो पुरानी हो चुकी थी जिससे ठोकर लगकर गिरने की संभावना बनी रहती थी। सीसी सड़क निर्माण के बाद समस्या खत्म हो जाएगी। भूमि पूजन के अवसर पर जेलर श्री सिद्दीकी ने कहा कि जेल परिसर में यह कैदियों की बड़ी समस्या थी, इसके समाधान के लिए ग्राम पंचायत आवरी की सरपंच श्रीमती गंगा बैरागी ने आगे आकर समाधान किया। सड़क निर्माण के बाद अब किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। सहयोग के लिए श्रीमती बैरागी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

केंद्र सरकार के विरोध में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

आयकर विभाग कार्यालय के बाहर किया धरना प्रदर्शन

अशोकनगर, ईएमएस। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी व सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर चार्जशीट को लेकर पार्टी कार्यकर्ता भड़क गए हैं। बुधवार को कांग्रेसियों ने आयकर विभाग कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार और ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया। इस दौरान कांग्रेसियों ने ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेसियों ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मोदी सरकार की इस नवीनतम दमनकारी कार्रवाई की कड़ी निंदा करती है नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की मनमानी और अन्यायपूर्ण जब्ती तथा पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करना। यह कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है, यह कानून के शासन का ढोंग रचती एक राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और हमारे पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करना राज्य सत्ता का दुरुपयोग है। यह लोकतांत्रिक विपक्ष पर सीधा हमला है, सत्तारूढ़ शासन द्वारा राजनीतिक डराने-धमकाने का एक घटिया प्रयास है, जो पूरी तरह पागलपन की हद तक पहुँच चुका है। धरना प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष राजेन्द्र कुशवाह, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष कृष्ण पाल यादव, विधायक हरीबाबू राय, दशरथ सिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहें।

कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी की विदाई तथा नवागत कलेक्टर का हुआ स्वागत

टीम भावना से किये कार्यों को मिली नई पहचान : निवृतमान कलेक्टर

अशोकनगर, ईएमएस।

शासकीय कार्यो को टीम से करने पर जिले को नई पहचान मिली है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से जिले ने प्रत्येक क्षेत्र में सफलता हासिल की है। यह बात निवृतमान कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने मंगलवार की रात्रि में स्थानीय राजश्री होटल में आयोजित विदाई एवं स्वागत कार्यक्रम के अवसर पर कही।

निवृतमान कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने कहा कि अशोकनगर जिले में 21 माह का कार्यकाल सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर रहा। सभी के सहयोग से जिले में विधानसभा निर्वाचन, लोकसभा निर्वाचन निर्विघ्न रूप से संपन्न कराये गए। साथ ही भारत सरकार द्वारा जिले को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि जिले में सीएम हेल्पलाईन की ग्रेडिंग में काफी सुधार लाया गया। जलगंगा संर्वधन अभियान तथा राजस्व अभियान के तहत जिले में बेहतर कार्य किये जा रहे है। पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु अभियान संचालित है। आदिवासी महिलाओं एवं बच्चों को कुपोषण से मुक्त रखने तथा सुरक्षित प्रसव को दृष्टिगत रखते हुए जननी संरक्षक अभियान पिछले 07 माहों से चल रहा है। अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को पोषण की टोकरी का वितरण कराया गया। जिसके सार्थक परिणाम सामने आये। कार्यक्रम में नवागत कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कहा कि अशोकनगर जिले में जो नवाचार निवृतमान कलेक्टर द्वारा किये गए उन नवाचारों को गति प्रदान की जाएगी।

सभी शासकीय सेवकों की टीम भावना के माध्यम से शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन जिले में बेहतर तरीके से किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन ने कहा कि निवृतमान कलेक्टर श्री द्विवेदी का कार्यकाल एक कुशल प्रशासक के रूप में रहा। उन्होनें अपने अधिनस्थों के साथ आत्मीय रिश्ता बनाकर शासकीय कार्यो को अंजाम तक पहुंचाया। उन्होंने मॉ. जानकी करीला मेला, विधानसभा निर्वाचन, लोकसभा निर्वाचन, सेहत की टोकरी, स्वच्छता अभियान, स्वच्छता मित्र तथा नगरीय निकायों में लाईब्रेरी की शुरूआत कराने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया। कार्यक्रम में निवृतमान कलेक्टर की धर्मपत्नी स्वाति द्विवेदी, अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा, संयुक्त कलेक्टर सोनम जैन, आरबी सिण्डोस्कर, एसडीएम रचना शर्मा, डिप्टी कलेक्टर शुभ्रता त्रिपाठी, तहसीलदार साहिर खान, महिला एवं बाल विकास अधिकारीचन्द्रसेना भिडे, सीईओ जनपद शैलेन्द्र यादव ने कलेक्टर की उपलब्धियों एवं बेहतर कार्यशैली के बारे में बताया गया।

स्मृति चिन्ह भेंट

विदाई सम्मान समारोह में अतिथियों द्वारा निवृतमान कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

मैहर, ईएमएस। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ की गई कार्रवाई के विरोध में बुधवार को जिला कांग्रेस द्वारा एसडीएम कार्यालय प्रांगण में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने किया। जिले भर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियाँ और झंडे लेकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा आरोप पत्र दाखिल करना महज एक राजनीतिक साजिश है। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार विपक्ष को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। यह कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने भी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार देश के लिए खतरा बन चुकी है।

ईडी की दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही के विरोध में महामहीम राष्ट्रपति के नाम कांग्रेसजनों ने सौंपा ज्ञापन

मानव श्रंखला बनाकर जताया विरोध

सीहोर, ईएमएस। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सीहोर जिलाध्यक्ष राजीव गुराजती के नेतृत्व में मानव श्रंखला बनाकर भाजपा केन्द्र सरकार के इशारे पर इडी के विरूद्ध जोरदार नारे बाजी कर महामहीम राष्ट्रपति के नाम तहसील कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी तन्मय वर्मा को ज्ञापन सौंपा। राजीव गुजराती ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि आज जब भारत 75 वर्षों से अधिक पुराने लोकतंत्र की विरासत का दावा करता है, तब देश के भीतर एक खतरनाक प्रवृत्ति लगातार गहराती जा रही है, केंद्र सरकार द्वारा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग की। विशेष रूप से विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई, लोकतंत्र की आत्मा को निरंतर घायल कर रही है।

हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया है। यह न केवल अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि स्पष्ट रूप से यह केंद्र सरकार की राजनीतिक प्रतिशोध की संकीर्ण मानसिकता का भी प्रतीक है। जिस परिवार ने इस देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया, जिनके अपने बलिदान हुए, उस गांधी-नेहरू परिवार को केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा सरकार बार-बार अपमानित करने का असफल प्रयास कर रही है। 2014 से लगातार यह देखा जा रहा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी एजेंसियों का मनमाना उपयोग किया जा रहा है! इससे यह स्पष्ट है कि यह एक राजनीतिक हथियार के रूप में एजेंसियों को प्रयोग करने की रणनीति है।

नेशनल हेराल्ड केस में शीर्ष नेताओं के नाम, बिफरी कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

खरगोन, ईएमएस। बहुचर्चित नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) ने चार्जशीट पेश की है। इस चार्जशीट में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के नाम शामिल होने के बाद कांग्रेस नेता सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज करा रहे है। कांग्रेस इस मामले पर सरकार को घेरते हुए इसे विपक्ष पर दबाव बनाने की कार्रवाई बता रही है। बुधवार को मुख्यालय पर भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। एसडीएम कार्यालय परिसर में एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेता एकजुट नजर आए। प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव भी शामिल हुए। ज्ञापन के बाद उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की ओर से दायर की गई चार्जशीट की कार्रवाई पूरी तरह बदले की राजनीति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह विपक्षी नेताओं को डराने के लिए सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने सवाल उठाया की वर्ष 2011 में इसकी शिकायत हुई थी तो आज तक विभाग क्या कर रहा था? अचानक 2025 मे चार्जशीट क्यों दाखिल करना पड़ी विधायक केदार डाबर, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रवि जोशी ने मोदी सरकार पर सत्ता का दुरूपयोग करने का आरोप लगाते हुए इसे बंद करने का नारा बुलंद किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी अस्पताल से डॉक्टर को अगवा सहित

अभद्रता की घटना के आरोपियों पर कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम (ईएमएस)।

सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनखेड़ी में विगत 12 अप्रैल की रात्रि 9-30 बजे बनखेड़ी में सड़क दुर्घटना में घायल 2 मरीजों को अस्पताल लेकर आए थे, जिसमें एक व्यक्ति की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई थी और दूसरे मरीज को सिर में गंभीर चोट लगी थी। गंभीर मरीज का अस्पताल में बीएमओ एवं ड्यूटी डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार देकर जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम रेफर किया गया था।

इस दौरान परिजनों ने उनके गांव से 10 से 15 लोगों को बुलाकर अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। डॉक्टर के साथ गाली गलौज एवं धक्का मुक्की की गई और नर्सिंग ऑफिसर एवं स्टाफ के साथ गाली गलौज कर मारने की धमकी दी गई एवं ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर धर्मेंद्र मांझी को जबरन धमकाकर एंबुलेंस में बैठ कर ले गए। जिनको पुलिस की मदद से सोहागपुर में छुड़ाया गया एवं रास्ते में भी डॉक्टर धर्मेंद्र के साथ अभद्रता की गई। घटना के बाद से बनखेड़ी स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर सहित नर्सिंग स्टाफ बहुत भयभीत हो गए हैं। घटना को लेकर बुधवार 16 अप्रैल को अस्पताल स्टाफ बनखेड़ी द्वारा पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम डॉ गुरुकरण सिंह को ज्ञापन सौंपकर निवेदन किया गया कि अभद्रता एवं अगवा करने वाले लोगों पर उचित वैधानिक कार्रवाई करने के साथ की अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।जिससे इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति ना हो एवं अस्पताल स्टाफ भय मुक्त होकर कार्य कर सके ।इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से डॉ आर माहेश्वरी, डॉ संजय पुरोहित, डॉ शिवेंद्र चंदेल, डॉ सुनील जैन, डॉ आर एस मीणा, डॉ रिचा कटकवार, डॉ जे एस परिहार बीएमओ बनखेड़ी एवं पीड़ित डॉक्टर धर्मेंद्र मांझी सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिलचिलाती धूप में बाजार क्षेत्र का नपाध्यक्ष नीतू यादव और सीएमओ हेमेश्वरी पटले ने किया निरीक्षण

सीएमओ ने बाजार क्षेत्र के नाले नालियों से अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश, नाला चौड़ीकरण पर बनी सहमति

नर्मदापुरम(ईएमएस)।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा बुधवार को चिलचिलाती धूप में बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर नाले नालियों पर किए गए अतिक्रमण की जानकारी ली। इस दौरान किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे, व्यापारी नितेश खंडेलवाल सहित अन्य व्यापारियों से चर्चा कर बारिश पूर्व नाले नालियों पर किए गए अतिक्रमण हटाने, अमानक स्तर की पालिथिन का उपयोग बंद करने और अतिक्रमण हटाने में सहयोग करने के लिए सहमति बनी। निरीक्षण के दौरान विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, पार्षद प्रतिनिधि जीतू तिवारी, पंकज पांडेय, अतुल भंडारी सहित अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत, स्वच्छता उपनिरीक्षक संजय लुटारे आदि उपस्थित थे। बारिश पूर्व जल भराव की स्थिति न बने इसके लिए नगरपालिका प्रशासन द्वारा पहले से ही तैयारी की जा रही है। अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बाजार क्षेत्र के नाले नालियों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। नाले नालियों पर ढंके कवर को हटाकर सफाई चलाया जाएगा। वहीं बाजार क्षेत्र के मुख्य नाले के चौड़ीकरण के लिए किराना व्यापारी संघ महेंद्र चौकसे, व्यापारी नितेश खंडेलवाल के साथ अन्य व्यापारियों से चर्चा की गई।

बंद कमरे में हुई यातायात सुधार समिति की बैठक, फील्ड पर नहीं दिख रहे परिणाम

बुरहानपुर, ईएमएस। कोई सप्ताह भर पहले कलेक्टर की अध्यक्षता में यातायात सुधार समिति की बैठक आयोजित कर शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए अनेक सुझाव के बाद प्रस्ताव पास कर नगर निगम और यातायात विभाग को कुछ जिम्मेदारियां दी गई थी परंतु इस बैठक को लगभग सप्ताह भर होने को है लेकिन ट्रैफिक सुधार का कोई प्लान अब तक फील्ड पर नजर नहीं आ रहा है पहले की तरह अब भी गुजराती समाज मार्केट तहसील कार्यालय के समक्ष कमल टॉकीज गांधी चौक आदि क्षेत्रों में वैसे ही बिगड़ी व्यवस्था देखने को मिल रही है। बे तरतीब वाहन पार्किंग दुकान संचालकों का सामान दुकानों के बाहर अवैध फेरी वालों का मुख्य मार्ग पर जमावड़ा होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के समक्ष सैकड़ो वाहनों की पार्किंग टेंपो स्टैंड अनाज मंडी में टांगे ऑटो वालों का जमावड़ा।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM (MP)

cmohoshangabad@mpurban gov.in

NIT NO/2732/E-Tendering/NPN/2024 Narmadapuram Date 15/4/24

//Notice Inviting Tenders//

(1" Call)

Online Percentage rate bids for the following works are invited from Centralized registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria -

SL No.	Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Document	Period of Completion
1.	2025_UAD_416850_1	RAJGHAT BEAUTIFICATION WORK UNDER CM URBAN INFRASTRUCTURE YOJANA AT NARMADAPURAM MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	2,54,23,707/-	1,27,120/-	15,000/-	12 Months (with rainy season)

The Bid Document can be Download only online from 15/04/2025 (15:00) to 16/05/2025 (17:30) hour for more Information:- https://mptenders.gov.in

Chief Municipal Officer
Municipal Council
Narmadapuram

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित शांति समिति बैठक में

जिले की प्रगति एवं शांति व्यवस्था पर हुई चर्चा

गुना, ईएमएस। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

जिसमें विधायक श्री पन्नालाल शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरविन्द धाकड़ सहित जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक श्री संजीव सिन्हा, डीएफओ श्री अक्षय राठौर, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मानसिंह ठाकुर, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे, समिति सदस्य एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य जिले की शांति व्यवस्था बनाए रखना, त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा करना एवं जिले की प्रगति को गति देना रहा। प्रभारी मंत्री श्री राजपूत द्वारा बैठक में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा गुना शहर प्रारंभ से ही शांति और भाईचारे का प्रतीक रहा है, और इसी परंपरा को बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि अपराधी चाहे कोई भी हो, उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता या अशांति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, चाहे वह किसी भी वर्ग या प्रभाव से संबंधित क्यों न हो। साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और समाज में जागरूकता फैलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने बैठक की शुरुआत में जिले की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि गुना को 'गुलाबों का शहर' बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सभी नागरिकों से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें अब छोटे विवादों से ऊपर उठकर विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश और विकसित गुना के लक्ष्य पर काम करना चाहिए।

लूट के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज, ईएमएस। गत दस अप्रेल की रात करीबन 10.00 बजे जैसे ही मैं शहजादपुर जोड पर लगे हैंडपंप पर अपनी मोटर साईकल खडी कर पानी पीने लगा वहीं पर चार व्यक्ति जिन्हें मैं नही जानता हूँ जो पहले से बैठे थे एवं वहीं पर एक मोटर साईकल खडी थी, जिसका नाम व नंबर मैंने नही देख पाया, वह चारों व्यक्ति मेरे पास आये और मुझे हाथ थप्पड से मारने लगे जिससे मुझे वांयी आंख के पास चोट लगी, उनमें से एक व्यक्ति ने मेरी पैंट की जेब से मेरा ओपो कंपनी का मोवाईल जिसमें जियो कंपनी की सिम नंबर 9301474531 डली है, छीन लिया तथा एक व्यक्ति ने मेरे पैंट की दूसरी जेब में रखे 8,00/ रुपये जबरदस्ती निकाल लिये थे व मोटर साईकिल छीनकर ले गये ।

जहीर खान बने पापा

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर जहीर खान पापा बन गये हैं। उनकी पत्नी अभिनेत्री सागरिका घाटगे ने बेटे को जन्म दिया है। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीरें साझा करते हुए ये जानकारी दी। इस तस्वीर में जहीर अपने बच्चे को गोद में लिए हुए हैं और सागरिका उनके कंधे पर हाथ रखे हुए हैं। इस खबर के बाद उन्हें प्रशंसकों से बधाई संदेश मिल रहे हैं।

स्पोर्ट्स

चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंची पीएसजी

बर्मिंघम (ईएमएस)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला के को 5-4 हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। पीएसजी की ओर से अचरफ हकीमी और नूनो मेंडेस ने गोल दागो। दूसरे चरण में हालांकि पीएसजी को एस्टन विला से 3-2 से हार झेलनी पड़ी। पहले चरण में 3-1 से मिली हार के बाद एस्टन विला ने भी वापसी के प्रयास किये।

मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जिससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मुम्बई को जीत के लिए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा। टीम इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी पिछले मैच में बुमराह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बुमराह की गेंदों पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में काफी रन बने। ऐसे में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन उनपर बड़े शॉट लगाने का पूरा प्रयास करेंगे।

मुंबई की परेशानी अपने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना भी है। रोहित अभी तक पांच मैचों में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। वह अब तक केवल 56 रन बना पाए हैं। इससे मुंबई की टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है और वह अभी तक केवल दो मैच जीत जीत कर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस की की बल्लेबाजी अभी तक इस सत्र में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर ही आधारित रही है पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम भी अच्छी स्थिति में नहीं है। इस बार उसके बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। पहले मैच में टीम ने 286 रन बनाये थे पर उसके बाद से ही उसके लिए 200 रनों तक पहुंचा भी संभव नहीं हुआ है हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ वह 246 रन के लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही जिससे टीम प्रेरित होना चाहेगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अभिषेक ने 141 रन बनाए थे। अंक तालिका में सनराइजर्स की टीम अभी नौवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस
हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रियान रिकेल्टन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, विल जैक, तिलक वर्मा, , नमन धीर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सैंटनर, कर्ण शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद
पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, एहसान मलिंगा।

महवश ने चहल के साथ सेल्फी पोस्ट कर सभी का ध्यान खींचा

मोहली (ईएमएस)।

पंजाब किंग्स की कोलकाला नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के हीरो रहे युजवेंद्र चहल के लिए आरजे महवश ने सेल्फी पोस्ट कर इस क्रिकेटर की जमकर प्रशंसा की है। चहल ने केकेआर के खिलाफ मैच में चार विकेट लेकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। इस मैच में पंजाब 112 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव कर रही थी। चहल के प्रदर्शन से महवश ही नहीं पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा भी बेहद खुश दिखीं। चहल जब मैच के बाद वापस आए तब प्रीति जिंटा ने उन्हें गले लगा लिया। प्रीति जिंटा के अलावा चहल की कई लोगों ने प्रशंसा की। मैच समाप्त के बाद आरजे महवश ने चहल के साथ हाल ही में ली गई सेल्फी पोस्ट की। उन्होंने सेल्फी शेयर करते हुए लिखा, ÷क्या प्रतिभाशाली बंदा है। यही कारण है कि ये आईपीएल का सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। असम्भव !÷ 16 रन से हासिल की जीत पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 111 रन बनाए। सबको लगा कि केकेआरजीत जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। महवश पहले भी चहल के साथ चैम्पियंस ट्रॉफी में नजर आयीं थीं तभी से उनके चहल के साथ अफेयर की चर्चाएं हैं।

बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए नई वेकेंसी की घोषणा की

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए दो अहम पदों के लिए वेकेंसी की घोषणा की है। बीसीसीआई ने बुधवार को इस फैसले की जानकारी दी और इन पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह कदम महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन और खिलाड़ियों की फिटनेस को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बीसीसीआई ने हेड फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये दोनों पद बैंगलुरु में स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में काम करेंगे। हेड फिजियोथेरेपिस्ट का मुख्य कार्य खिलाड़ी के चोटिल होने पर उनका इलाज और रिकवरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाना होगा। फिजियोथेरेपिस्ट को खिलाड़ियों के उपचार के साथ-साथ उनके फिटनेस शेड्यूल को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी होगी। इस पद के लिए उम्मीदवार के पास स्पोर्ट्स या मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन या स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवार को फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव होना चाहिए। आवेदक का टीम या एथलीट के साथ काम करने का अनुभव होना जरूरी है, ताकि वह खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी के लिए बेहतर योजनाएं बना सके। वहीं, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच का काम खिलाड़ियों के फिटनेस और शारीरिक ताकत को बढ़ाने का होगा। इस कोच को खिलाड़ियों के वॉर्मअप शेड्यूल, मैच से पहले प्रैक्टिस और फिटनेस प्रोग्राम बनाने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह कोच यह सुनिश्चित करेगा कि खिलाड़ी शारीरिक रूप से फिट रहें और मैच के दौरान किसी प्रकार की शारीरिक समस्याओं से बचें। इस पद के लिए कम से कम 7 साल के अनुभव की आवश्यकता है। आवेदक को किसी टीम या एथलीट के साथ काम करने का अनुभव होना चाहिए, ताकि वह टीम के लिए एक प्रभावी फिटनेस शेड्यूल तैयार कर सके। इन दोनों पदों के लिए बीसीसीआई का उद्देश्य महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है, जिससे टीम को आने वाले समय में और भी बेहतर परिणाम मिल सकें। इन बदलावों से न केवल खिलाड़ियों की फिटनेस में सुधार होगा, बल्कि टीम की समग्र प्रदर्शन क्षमता भी बढ़ेगी।

करुण नायर की पत्नी सनाया भी सोशल मीडिया पर है काफी सक्रिय

मुम्बई (ईएमएस)।

आईपीएल के इस सत्र में करुण नायर ने तीन साल बाद वापसी करते हुए पहले ही मैच में इम्पेक्ट प्लेयर के तौर पर धमाकेदार पारी खेलकर सबको हैरान कर दिया। करुण को इस सत्र में दिल्ली कैपिल्स ने शामिल किया था। करुण ने अपने पहले ही मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंदों पर ही 89 रन बनाये। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर करुण नायर की पत्नी सनाया भी जमकर ट्रेंड हुई। सनाया और करुण ने प्रेम विवाह किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रही हैं। सनाया ने करुण की आईपीएल में वापसी के जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की थी। सनाया एक मीडिया पेशेवर और खेल और मनोरंजन सलाहकार हैं। इस जोड़े ने जून 2019 में गोवा में सगाई की और जनवरी 2020 में उदयपुर में शादी की, जिसमें पारसी और मलयाली दोनों परंपराओं को दर्शाया गया है। उनके मित्रों और परिवारों के अलावा, नायर के सहकर्मी और टीम के साथी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, वरुण एरॉन और श्रेयस अय्यर उनके विवाह समारोह में शामिल हुए थे।

सात्विकसाईराज और चिराग शामिल

सुदीरमन कप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस)।

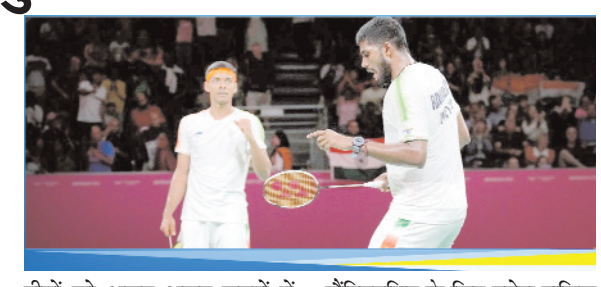

चीन के जियामेन में 27 अप्रैल से 4 मई तक होने वाले बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप बैडमिंटन फाइनल 2025 के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को भी शामिल किया है। टीम में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, के अलावा लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय को भी शामिल किया गया है। सुदीरमन कप एक द्विवार्षिक टूर्नामेंट है, ये विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप के नाम से भी जाना जाता है। इसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है। भारतीय बैडमिंटन टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 और 2017 में आया था, जब वे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। पिछले संस्करण में, भारत मलेशिया और चीनी ताइपे से हारने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था।

भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए प्रवेश हासिल किया है। इसमें पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड की टीम भी शामिल है। इसमें सभी पांच श्रेणियों में सबसे बेहतर संयोजन रखा गया गया है। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, हम अब टाई जीतने के लिए एक या दो मुकाबलों पर निर्भर नहीं हैं और यह हमें किसी भी टीम इवेंट में एक बड़ी ताकत बनाता है। हमें भरोसा है कि टीम न केवल ग्रुप चरणों में प्रभावित करेगी बल्कि पदक जीतकर एक उपलब्धि हासिल करेगी। हाल ही में हुई बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सिंधु, लक्ष्य और प्रणय के होने से टीम में अमूल्य अनुभव आयेगा। वहीं सात्विक और चिराग के आने से टीम की ताकत बढ़ेगी। अनुपमा उपाध्याय सिंधु के बाद टीम में दूसरी महिला एकल खिलाड़ी होंगी। इसके अलावा, प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा जोड़ी भी शामिल है। सुदीरमन कप में प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होते हैं। इसमें ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है।

विराट ने कई पोस्ट हटाने पर दिया ये जवाब

मुम्बई (ईएमएस)।

आजकल आईपीएल खेल रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अचानक ही अपने अकाउंट से प्रमोशन, पेड पार्टनरशिप और विज्ञापनों से जुड़े सभी पोस्ट हटा लिए हैं। उन्होंने इन पोस्ट्स को रील सेक्शन में डाल दिए दिया। कोहली के ऐसा करते ही सोशल मीडिया पर कई तरह ही अटकलें लगायी जाने लगीं। वहीं इसी को लेकर अब विराट ने अपनी ओर से सफाई दी है।

कोहली के इंस्टाग्राम पर पोस्ट सेक्शन में अब उनकी फैमिली, वर्कआउट सेशन के साथ-साथ आईपीएल 2025 से जुड़ी कुछ फोटो और वीडियो ही हैं। इसी को लेकर विराट ने कहा कि मैं सोशल मीडिया को लेकर एक ऐसी जगह पर पहुंच गया हूं जहां मैं बहुत ज्यादा इसपर ध्यान नहीं दे पाउंगा। भविष्य के बारे में कुछ भी कहना अभी से संभव नहीं है। इसी कारण मुझे काफी कुछ हटाना पड़ा है।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली की ब्रांड वैल्यू बढ़ गई है। इस बात को खुद विराट ने भी स्वीकार किया है। विराट कोहली के सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा फॉलोवर्स हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 271 मिलियन और एक्स पर 67.7 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में कोहली दुनिया के शीर्ष एथलीटों में शामिल हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद कोहली ने टी-20 से संन्यास ले लिया था। इस फॉर्मेट में उन्होंने 125 मैच खेले हैं। उन्होंने एक शतक और 38 अर्धशतक के साथ 4188 रन बनाए हैं।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश दौरे के लिए घोषित किया कार्यक्रम

तीन-तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी टीम

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड के अनुसार भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे पर 3 एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले मीरपुर और चटगांव में खेले जाएंगे। भारतीय टीम पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर की सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक होगी। भारतीय टीम ने सभी प्रारुपों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानक स्थापित किए हैं और दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले से उत्साहित रहेंगे।' इससे पहले भारत और बांग्लादेश के बीच अंतिम बार द्विपक्षीय सीरीज सितंबर और अक्टूबर 2024 में भारत में खेली गयी थी। तब भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज और टी20 दोनो में ही सभी मुकाबले जीते थे।

वहीं इस बार बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से युवा प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। इस सीरीज में उभरते खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को भी अवसर मिल सकता है जो आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे की शुरुआत एकदिवसीय सीरीज से करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में सीरीज का पहला एकदिवसय मैच 17 अगस्त (रविवार) को मीरपुर में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 20 अगस्त (बुधवार) को मीरपुर में व तीसरा व अंतिम मुकाबला 23 अगस्त (शनिवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। टी20 सीरीज का पहला मैच 26 अगस्त (मंगलवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टी20 मैच 29 अगस्त (शुक्रवार) को मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा।

चेन्नई को प्लेऑफ की संभावनएं बनाये रखने जीतने होंगे छह मैच

मुम्बई (ईएमएस)।

आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएकसके) ने अपने सात मैच में से केवल दो ही मैच जीते हैं और ऐसे में उसके प्लेऑफ तक पहुंचने की संभावनाएं बेहद कम हैं हालांकि इसे असंभव नहीं कहा जा सकता । सीएसके के 7 मैचों में 4 अंक है और वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। उसके अभी इस सत्र में 7 लीग मैच खेलने हैं। इसमें अगर मान लें कि वह सभी मैच जीत जाती है तो 18 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो 14 अंक तक पहुंच जाएंगी। पिछले आंकड़ों पर गौर करें तो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए 14 अंकों की जरूरत होती है। आईपीएल के पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने 14 अंको के साथ ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था पर तब उसका रन रेट काफी अच्छा था पर इस बार सीएसके का रन रेट खराब है। ऐसे में अगर इस बार सीएसके को प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी पक्की करनी है तो उसे कम से कम छह मैच जीतकर कुल 16 अंक हासिल करने होंगे। सीएसके को अब अब 20 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से खेलना है। इसके बाद टीम 25 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके अप्रैल में अपना अंतिम मैच 30 तारीख को पंजाब किंग्स से खेलेगी।

ऋषभ को स्ट्राइक रोटेशन में सुधार करना होगा

मुम्बई (ईएमएस)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत से कहा है कि उन्हें हर मामले में बेहतर होना होगा। ऋषभ आईपीएल के शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में 63 रन बनाकर उन्होंने अच्छी वापसी की है पर जाफर ने कहा कि उन्हें स्ट्राइक रोटेशन में भी सुधार करना होगा। जाफर ने ऋषभ की बड़े शॉट लगाने के रवैये पर भी बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कप्तान को अपने स्ट्राइक रोटेशन कौशल में सुधार करने की जरूरत है। जाफर ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करने की कोशिश करता है या नहीं (स्ट्राइक रोटेट करना) उसी प्रकार चाहिये जिस प्रकार विराट कोहली करते हैं। वह स्ट्राइक से बहुत अच्छी तरह से दूर हो जाता है, क्योंकि वह हर तरफ खेल सकता है पर ऋषभपंत कभी-कभी अटक जाता है और यही समस्या है। फिर वह बड़ा शॉट लगाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि उसे स्ट्राइक रोटेट करने में भी होनो होगा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वह शायद ही कभी सीधे हिट करते हैं, बल्कि लेग साइड की तरफ शॉट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पारी के अंत में एकमात्र सीधा छक्का लगाया और विकेटकीपर बल्लेबाज की लेग साइड की ओर शॉट लगाने की प्रवृत्ति को बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह कभी भी सीधे हिट करने के प्रयास नहीं करता, वह हमेशा लेग साइड, स्क्वायर लेग, काउ कॉर्नर की ओर जाता है। उसने सीएसके के खिलाफ अंत में एक सीधा छक्का लगाया।

पूरन ने गाया हिंदी गाना

मुम्बई (ईएमएस)।

आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोल्स पूरन ने अब तक आक्रामक बल्लेबाजी कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। वहीं खेल के साथ ही पूरन गाने के भी शौकीन हैं। उनके एक बॉलीवुड गाने का वीडिया भी सोशल मीडिया में आया है। इसे सुपर जायंट्स ने पोस्ट किया है। इस दौरान पूरन के साथ टीम के कप्तान ऋषभ पंत और युवा खिलाड़ी अब्दुल समद और टीम के अन्य खिलाड़ी भी शामिल थे। प्रशंसकों ने भी इस वीडियो को खूब पसंद किया और पूरन की आवाज की भी प्रशंसा की है।

इस मैच में धोनी एक बार फिर से फिनिशर के रोल में आये और अन्होंने सीएसके को जीत दिलाई। धोनी जब उतरे थे तब टीम को जीत के लिए 5 ओवर में 53 रन चाहिए थे पर धोनी ने एक छोर संभाला और 11 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। वहीं शिवम दुबे ने भी 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर उनका साथ दिया और टीम को 20वें ओवर में पांच विकेट से जीत दिला दी।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ के प्रस्ताव ठुकराये

नई दिल्ली (ईएमएस)।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा।

रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं? आखिरकार यह आपका फैसला है। वहीं अगर आप नीलामी में शामिल होते हैं, तो हम आरटीएम के जरिये आपको ले सकते हैं। ' वहींमैंने उनसे कहा कि मुझे रिटेन होने में खुशी होगी क्योंकि एक बार जब आप नीलामी में शामिल हो जाते हैं, तो इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप उसी टीम में होंगे और मैं केकेआर नहीं छोड़ना चाहता था। मेरे लिए, कुछ करोड़ कम होने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मैं उनकी बात का सम्मान करना चाहता था।

गौरतब है कि रमनदीप को साल 2022 में मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पंड्या के संभावित विकल्प के रूप में चुना था हालांकि जब हार्दिक आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से फ्रैंचाइजी में वापस आए, तो उन्हें केवल पांच मैच खेलने के बाद रिलीज कर दिया गया। वहीं नवंबर 2023 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रमनदीप एक बार फिर नजरों में आये। केकेआर ने आईपीएल 2024 से पहले उन्हें शामिल कर लिया।

जेनेटिक काउंसलिंग में समुदाय का सहयोग लिया जाए

भोपाल(ईएमएस)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में जेनेटिक काउंसलिंग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। जेनेटिक काउंसलिंग कार्य में मध्यस्थों की भूमिका की संभावनाओं पर कार्य करते हुए समुदाय का सहयोग प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा है कि सिकल सेल एनीमिया आनुवंशिक रोग है।

राजनीतिक प्रशासनिक

एम्स भोपाल ने महिला सशक्तिकरण पर निबंध प्रतियोगिता के साथ मनाई अंबेडकर जयंती

भोपाल,ईएमएस। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान ने भारत डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 अप्रैल, 2025 को नर्सिंग कॉलेज में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। महिला सशक्ति करण: डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ. अंबेडकर द्वारा वंचित वर्गों के उत्थान एवं महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए किए।

भारतीय किसान संघ ने सीएम से की मुलाकात, भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट मामले में रखे सुझाव

2025 में डिफाल्टर हुए किसानों का ब्याज भरेगी सरकार

भोपाल,ईएमएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट के मामले में अपना पक्ष रखा। अधिकारियों के तर्कों से किसान संघ संतुष्ट नहीं है। भारतीय किसान संघ ने कहा कि किसान की सलाह और विश्वास में लिए बिना भूमि का अधिग्रहण न हो। वहीं किसान संघ ने सहकारी बैंकों के ऋण 31 मार्च तक जमा न कर पाने के कारण डिफाल्टर हुए किसानों के विषय को मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर सीएम ने आश्वासन दिया कि ऐसे किसानों का ब्याज सरकार भरेगी। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

भारतीय किसान संघ के प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की समस्याओं व मप्र सरकार के द्वारा विधानसभा में पारित भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट के विषय पर किसानों की शंकाओं व उनके पक्ष को मजबूती के साथ रखा। किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को कृषि व किसान के लिए नीतिगत निर्णय करते समय किसान को विश्वास में लेना चाहिए। किसान व किसानों के संगठनों से भी सलाह लेकर उससे प्रभावित होने वाले पहलुओं पर चर्चा करना चाहिए। भारतीय किसान संघ के तीनों प्रांतों, प्रदेश और अखिल भारतीय पदाधिकारियों के सामने सरकार के अधिकारियों ने मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2025 का प्रजेंटेशन रखा। जिसके बाद किसान संघ ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सुझाव रखे।

ये रखे सुझाव

भारतीय किसान संघ ने सीएम के सामने सुझाव रखे की किसान की सलाह व सहमति के बिना विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण न किया जाये। अधिग्रहित भूमि पर विकसित होने वाली परियोजना की समय सीमा तय की जाये। तय सीमा में परियोजना पूर्ण न होने पर भूमि किसान को वापिस की जाये या वर्तमान बाजार मूल्य से मुआबजा दिया जाये। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र में भूमि मालिक को विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा दिया जाये।

यदि 5 एकड़ से कम जोत वाले छोटे किसान की लेंड पुलिंग एक्ट में पूरी जमीन अधिग्रहीत किये जाने पर परियोजना पूर्ण होने तक किसान को जमीन का किराया दिया जाये। जनजातीय क्षेत्रों में विकास परियोजनाओ के लिये भू अधिग्रहण करते समय वहां की सांस्कृतिक, सामाजिक परंपराओं और धरोहरें प्रभावित न हो। इसका ध्यान रखा जाये। शासन के मानक अनुसार लेंड पुलिंग एक्ट योजना में पूर्ण विकसित भूमि व्यवसायिक व आवासीय में 60 प्रतिशत जमीन भूमि स्वामी व 40 प्रतिशत अन्य डेवलपर को दी जाये। विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण के दौरान किसान को बाजार मूल्य का 4 गुना मुआवजा दिया जाये। भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसान के परिवार के एक सदस्य को शैक्षणिक योग्यतानुसार परियोजना में नौकरी दी जाये। किसी व्यवसायिक परियोजना में भू अधिग्रहण किये जाने पर परियोजना से प्राप्त कुल लाभांश का 20 प्रतिशत भू स्वामियों में बांटा जाये।

हलाली से छोड़े सफेद पीठ-लंबी चोंच वाले 6 गिद्ध

जीपीएस ट्रैकर से हर मूवमेंट पर नजर रखेंगे

भोपाल,ईएमएस । भोपाल के हलाली जंगल से बुधवार को सफेद पीठ और लंबी चोंच वाले 6 गिद्ध छोड़े गए। पिंजरे से बाहर आते ही वे अपने प्राकृतिक रहवास के लिए उड़ गए। हालांकि, जीपीएस ट्रैकर से उनके हर मूवमेंट पर एक्सपर्ट नजर रखेंगे। गिद्ध संवर्धन एवं प्रजनन केंद्र केरवा, भोपाल से 6 गिद्ध (2 सफेद पीठ और 4 लंबी चोंच) को उनके प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वनक्षेत्र में रामकली गोशाला के पास से सुबह छोड़ा गया।

इन गिद्धों का प्रजनन गिद्ध संवर्धन एवं प्रजनन केंद्र केरवा में हुआ है। यह गिद्धों का पहला समूह है, जिसे केंद्र से छोड़ा गया है। गिद्धों के चयन से पूर्व 8 अप्रैल को इनकी स्वास्थ्य जांच और मॉर्फोमेट्री की गई। शारीरिक जांच एवं रक्त नमूनों की जांच में पाया गया कि सभी गिद्ध स्वस्थ एवं छोड़े जाने के लिए उपयुक्त है। इसके बाद 12 अप्रैल को गिद्धों पर ऑर्निट्रक 25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस जीएसएम ट्रैकर लगाए गए, जो डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया ने दिए थे। ताकि गिद्धों के आवागमन के पैटर्न और आवास उपयोग की निगरानी की जा सके। सभी गिद्धों को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव), अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव), वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के प्रतिनिधि, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी मुम्बई के प्रतिनिधि, विश्व प्रकृति निधि भारत के प्रतिनिधि, भोपाल, रायसेन-विदिशा वनमंडल के अधिकारी-कर्मचारियों की मौजूदगी में छोड़ा गया।

कांग्रेसी हमेशा अपनाते रहते हैं शॉर्टकट

भाजपा प्रदेश कार्यालय में भीमराव अंबेडकर सम्मान कार्यशाला में सीएम बोले

भोपाल,ईएमएस।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य संविधान के प्रति जागरूकता फैलाना और अंबेडकर जी के योगदान को सम्मान देना था।

इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत, राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, और एससी मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य सहित अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस मोटी चमड़ी की पार्टी है। खुद ही गलतियां करती है और फिर ईडी कार्यालय के बाहर धरना देती है। कांग्रेस के लोग संविधान की बात करते हैं, जबकि सबसे ज्यादा संविधान संशोधन भी उन्होंने ही किए हैं। ये लोग हमेशा शॉर्टकट अपनाते हैं, जैसे एग्जाम में 'गारंटी सक्सेस' वाली किताबें। लेकिन हमने मध्य प्रदेश में डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर 25 वीं सेंचुरी बनाई हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महू से दिल्ली तक की रेल सेवा की शुरुआत की है, जो भोपाल होते हुए गुजरेगी। सीएम यादव ने कहा कि महू में डॉ. अंबेडकर का स्मारक बनाया गया है। देश-विदेश से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं, इसलिए सरकार उनके रुकने की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कामधेनु योजना की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से दूध उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जाएगी। मध्य प्रदेश, एशिया में दूध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है और सरकार इसे पहले स्थान पर लाना चाहती है। इसके तहत 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, और 25 से अधिक गायें रखने वालों को विशेष लाभ मिलेगा।

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्थानांतरण नीति को लेकर शुरू की तैयारियां, एक मई से हटेगी तबादलों से बंदिश

तीन साल से जमे कर्मचारियों का होगा ट्रांसफर

भोपाल,ईएमएस।

ट्रांसफर के लिए कोशिश में जुटे कर्मचारी अधिकारियों के लिए तबादलों का रास्ता जल्द खुलने जा रहा है। राज्य सरकार जल्द ही तबादलों से रोक हटाने जा रही है। राज्य शासन ने इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग जल्द ही तबादला नीति तैयार कर मुख्य सचिव कार्यालय को सौंपेंगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा कर इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार करेंगे। बताया जा रहा है कि इस माह के अंत तक तबादला नीति को राज्य शासन की मंजूरी मिल सकती है। नई तबादला नीति में एक ही स्थान पर तीन सालों से जमे अधिकारी कर्मचारियों को हटाया जाएगा। ऐसे अधिकारियों को दूसरे जिलों में भेजा जाएगा। हालांकि तबादला नीति में तय किया जाएगा कि किस विभाग के कितने फीसदी कर्मचारियों को बदला जाना है। किसी भी विभाग में 10 फीसदी से ज्यादा कर्मचारियों के तबादले नहीं होंगे। बड़े विभागों में इस सीमा को बढ़ाया जा सकता है। स्वैच्छिक आधार पर होने वाले तबादलों में सरकार किसी भी तरह के भत्ते का लाभ नहीं देगी। भत्ते का लाभ सिर्फ उन्हीं कर्मचारी अधिकारियों को मिलेगा, जिनका प्रशासनिक आधार पर तबादला होगा।

विधायकों की कमेटी करेगी सांची दुग्ध प्लांट का निरीक्षण

▸ एनडीडीबी और डेयरी फेडरेशन के बीच एमओयू के बाद अब कृषि विकास समिति करेगी दौरे

भोपाल,ईएमएस। भोपाल में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के बीच दूध उत्पादन बढ़ाने को लेकर हुए एमओयू के बीच अब विधानसभा की कृषि विकास समिति भोपाल और इंदौर संभाग का दौरा कर इसके बारे में जानकारी लेगी। कृषि विकास समिति के सभापति और सदस्यों की टीम इस दौरान भोपाल में हबीबगंज भोपाल के सांची दुग्ध संघ के प्लांट और नए लैब का निरीक्षण करेंगे। यहां किसानों से किए जाने वाले दूध के कलेक्शन, प्रोडक्ट का प्रोडक्शन किए जाने और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

विधानसभा की कृषि विकास समिति के सभापति दिलीप सिंह परिहार और उनकी टीम भोपाल और उज्जैन संभाग का दौरा 21 से 23 अप्रैल तक करेगी। समिति का दौरा 21 अप्रैल को एमपी राज्य पशुधन और कुक्कुट विकास निगम के केंद्रीय वीर्य संग्रहण केंद्र केरवा डैम से शुरू होगा। इसके बाद समिति दुग्ध उत्पादन कार्य का अवलोकन और संचालन पद्धति के साथ उसकी प्रोसेस समझेगी। साथ ही फॉर्म पर मौजूद पशुओं की नस्लों और उनकी प्रोडक्टिविटी की जानकारी ली जाएगी। इस दौरान समिति यह जानेगी कि तीन सालों में आय के साधन, व्यय के साथ देसी नस्लों के संवर्धन और संरक्षण की क्या स्थिति रही है? कृषि विकास समिति मध्यप्रदेश राज्य बीज और फॉर्म विकास निगम में बीज उत्पादन और निगम द्वारा संचालित फॉर्म की तीन सालों की प्रोग्रेस, हानि आदि के बारे में जानकारी लेगी।

डॉ. मोहन सरकार कस रही है भू-माफिया पर शिकंजा...राजनीतिक चेहरे भी होंगे उजागर..

मंदिर और वक्फ की जमीनों से हटेगा कब्जा

भोपाल,ईएमएस। मप्र में भू-माफिया से जुड़े यूं तो बहुत मामले सामने आते रहते हैं। लेकिन इन दिनों मप्र में सबसे ज्यादा चर्चा माफी औकाफ मंदिरों की जमीन की है। प्रदेशभर में सरकार खनन माफिया, शिक्षा माफिया, मेडिकल माफिया, शराब माफिया के साथ ही भू-माफिया पर अब सख्त एक्शन शुरू हो गया है। जिला प्रशासन ने इसको लेकर फुल-प्रूफ प्लान भी बना लिया है। भू-माफिया के खिलाफ ग्वालियर-चंबल अंचल में बड़ी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। क्योंकि यहां मंदिरों की अधिकांश जमीन पर भूमाफिया का कब्जा हो गया है। 4 अगस्त 1931 को तत्कालीन ग्वालियर स्टेट के द्वारा पब्लिक मंदिरों का निरीक्षण किया गया था। इसमें 78 मंदिर सूचीबद्ध किए गए थे। वहीं आजादी के बाद जिले में इनकी संख्या बढ़कर 865 मंदिर हो गई थी। जिसे लगभग 4290

हेक्टेयर भूमि भी दी गई थी। हैरानी की बात यह है कि माफियाओं की सांठगांठ के खेल से राजस्व विभाग के पटवारियों और अफसरों ने मंदिरों के खसरों में बदलाव कर डाले। यही वजह है कि ऐसे मंदिरों के नाम वाली जमीन बाद में अब निजी दर्ज हो चुकी है।

इस बड़े मुद्दे को उजागर करने वाली आरटीआई एक्टिविस्ट एड संकेत साहू का आरोप है कि, आज माफी औकाफ मंदिरों की जमीन कब्जे में आ चुकी है या फिर खुर्द बुर्द कर दी गई है। आज इन भूमाफियाओं ने प्रशासन की नाक के नीचे कॉलोनियां उन्हीं जमीन पर बसा ली है।

भू-माफिया और राजनीति

मुद्दा क्योंकि भू-माफिया और उसके किए अतिक्रमण कब्जे से जुड़ा है, ऐसे में भला राजनीति कैसे पीछे रह सकती है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता डॉ.राम पांडे का आरोप है कि केप्रदेश में लंबे समय से सत्ता में काबिज भाजपा की सरकार के इशारे पर ही यह सब होता आ रहा है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि आज माफी औकाफ और मंदिरों की ज्यादातर जमीनों पर भाजपा के ननेताओं या फिर उनके कार्यकर्ताओ के कब्जे है। यही वजह है कि प्रशासन सिर्फ खोखले दावे करता है, कार्रवाई नहीं होती है।

'गैरों' के भरोसे मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद

मध्यप्रदेश रोजगार गारंटी परिषद मुख्यालय में पंचायत विभाग के एक भी अधिकारी-कर्मचारी नहीं

भोपाल,ईएमएस। मप्र के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी बना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) 'गैरों' के भरोसे क्रियान्वित हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मनरेगा के संचालन के लिए गठित मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद के मुख्यालय में स्वयं की नियुक्ति वाले अथवा पंचायत विभाग के एक भी अधिकारी-कर्मचारी नहीं है। यानी परिषद का काम प्रतिनियुक्ति, संविदा और आउटसोर्स के अधिकारियों-कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है।

गौरतलब है कि मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद मनरेगा के कार्यो की कार्ययोजना का निर्धारण, निगरानी और बजट की मॉनिटरिंग करता है। मप्र की 23 हजार पंचायतों में मनरेगा से होने वाले कामों की निगरानी प्रतिनियुक्ति, संविदा और आउटसोर्स के भरोसे चल रही है। इसकी वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों को रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से संचालित केन्द्र सरकार की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना के संचालन के लिए गठित मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद के मुख्यालय में स्वयं की नियुक्ति वाले अथवा पंचायत विभाग के एक भी अधिकारी-कर्मचारी नहीं है। परिषद पूरी तरह प्रतिनियुक्ति, संविदा और आउटसोर्स के भरोसे चल रही है।

151 से अधिक पद रिक्त

मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद के मुख्यालय की स्थिति यह है कि यहां सबसे बड़े आयुक्त और अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा मुख्य अभियंता जैसे पदों से लेकर सबसे छोटे पदों डाक वाहक, सुरक्षा गार्ड और भृत्य तक प्रतिनियुक्ति, संविदा और आउटसोर्स पर हैं। मप्र रोजगार गारंटी परिषद मुख्यालय में आयुक्त से लेकर भृत्य तक कुल 207 पद स्वीकृत हैं।

हाउसिंग बोर्ड का सहायक इंजीनियर बोला- आयुक्त प्रताड़ित कर रहे

रिटायरमेंट से पहले 100 किमी दूर पोस्टिंग पर शिकायत

भोपाल,ईएमएस।

रिटायरमेंट से पहले भोपाल गृह जिले से बाहर विदिशा में पदस्थ किए गए हाउसिंग बोर्ड के सहायक इंजीनियर अशोक गुप्ता ने आरोप लगाया है कि बोर्ड के अफसर उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं।

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास को जनसुनवाई में दिए आवेदन में गुप्ता ने लिखा है कि यदि गृह नगर से बाहर पदस्थ कर इस तरह प्रताड़ित किया जा रहा है, तो क्या वे आत्महत्या कर लें, तब अधिकारी समझेंगे? अगर ऐसा होता है, तो इसके लिए हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त जिम्मेदार होंगे। गुप्ता का कहना है कि पिछले पांच महीनों में उन्होंने कई बार आवेदन देकर अपनी पोस्टिंग होम टाउन भोपाल में करने की मांग की है।

उनका आरोप है कि भोपाल में हाउसिंग बोर्ड के संभाग क्रमांक-2 और संभाग क्रमांक-6 में सहायक यंत्री के पद रिक्त हैं, लेकिन वहां जूनियर अफसरों को डबल चार्ज और अतिरिक्त प्रभार देकर रखा गया है।

उन्होंने कहा कि ब्लड प्रेशर और हार्ट संबंधी समस्याओं के बावजूद वे रोज 150 किलोमीटर की यात्रा करने को मजबूर हैं, जबकि उनकी जगह विदिशा में जूनियर इंजीनियरों की पोस्टिंग की जा सकती है।

EMS ACADEMY OF JOURNALISM
(AFFILIATED BY BHARTIYA VIDYA BHAVAN, AHMEDABAD)
Become a Media professional
ADMISSION
OPEN FOR PG-DIPLOMA 2025
One Year Diploma Course
1. Journalism & Mass communication
2. Public Relation
3. Digital Media
4. Marketing & Sales management
APPLY NOW
Contact Us:
9302208608,9229226533
www.emsindia.com, Jabalpur express.com
ems_academy@rediffmail.com
यदि आप बनाना चाहते हैं मीडिया की दुनिया में अपनी पहचान
तो जुड़िये मध्यप्रदेश की नंबर 1 मीडिया एकेडमी से
Academy premises: Bhopal Teaching mode: Offline
FACILITIES
• Well equipped media lab & TV Studio
• Writing exercise for print and web
• Guidance by Media Professionals
• Practical Training of conducting Interview, Tv Reporting Writing Article, Field reporting etc.
• Regular Field Visits
• Well Qualified Faculty
• Guaranteed Internship and Placement
ADDRESS : 7, COMMERCIAL CHITTOD COMPLEX ZONE 1 M.P. NAGAR, BHOPAL MADHYA PRADESH

ईडी समन से तलब कर करेगी पूछताछ, केस दर्ज कर कोर्ट में पेश करेंगे पूरक चालान

सौरभ मामले में और लोगों पर हो सकती है एफआईआर

भोपाल,ईएमएस । आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके कारोबार में सहयोगी रहे 12 लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर चुकी ईडी अब इस मामले में कुछ और लोगों पर केस दर्ज कर सकती है। इसके चलते ईडी विशेष न्यायाधीश की अदालत में केस दर्ज करने के बाद पूरक चालान पेश कर सकती है। यह केस सौरभ के रिश्तेदारों तथा सौरभ को गोल्ड की सप्लाई करने वाले भोपाल के कुछ ज्वैलर्स पर दर्ज हो सकती है। जिन्हें समन जारी कर बयान लेने के लिए बुलाने की तैयारी है।

ईडी ने 8 अप्रैल को ईडी कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में जिन्हें आरोपी बनाया है, उसके बाद कुछ और लोगों की भूमिका सामने आई है। इसके बाद ईडी की टीम अब सौरभ की काली कमाई से जुड़े ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। ईडी के चालान में अभी सौरभ शर्मा की सास रेखा तिवारी, उनके साले की पत्नी अनुभा तिवारी, शरद जायसवाल की मां कृष्णा जायसवाल, राजमाता भारत माता शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के उपाध्यक्ष दीपक अरोरा, मेंबर शुभम तिवारी

आरोपी नहीं हैं। लेकिन अब इन्हें फिर समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इनके बयान के आधार पर इन्हें आरोपी बनाया जा सकता है।

ज्वैलर्स भी आ सकते हैं पूछताछ के दायरे में

बताया जाता है कि 19 दिसंबर को मेंडोरी में विनय हासवानी के प्लॉट से मिली इनोवा कार में जो 52 किलो सोना मिला था। वह सौरभ शर्मा द्वारा भोपाल और इंदौर के ही कुछ व्यापारियों से खरीदा गया था। जांच अफसरों की मानें तो सोना भले ही विदेशों से आया है लेकिन इसकी सप्लाई सौरभ तक लोकल के ज्वैलर्स के जरिए की गई है। इसलिए ऐसे ज्वैलर्स निशाने पर हैं। बताया जाता है कि जो ज्वैलर्स ईडी की जांच की रडार में आए हैं, इनमें से दो सर्राफा व्यापारी नए और पुराने भोपाल में ज्वेलर्स शोरूम संचालित करते हैं।

एक से अधिक बार पूरक चालान पेश कर सकती हैं जांच एजेंसी

जानकारों के अनुसार किसी भी जांच एजेंसी को यह अधिकार हैं कि जांच के नए तथ्य, नए लिंक या सबूत मिलने पर वे एक से अधिक बार पूरक चालान पेश कर सकते हैं। सौरभ शर्मा उसके सहयोगी शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर जहां 24 अप्रैल तक न्यायिक रिमांड पर भोपाल की केंद्रीय जेल में कैद हैं, वहीं इस मामले में सौरभ की मां उमा शर्मा, साले रोहित तिवारी, पत्नी दिव्या तिवारी, जीजा विनय हासवानी को 10-10 लाख के बॉन्ड पर जमानत मिली है। सभी के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालय: ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: expressnews.advt@gmail.com (रजि नं. RNI 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।